■ आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं - 12

■ देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर - 12

■ ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत - 13

■ नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच - 14

आज का मौसम
19.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 134, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

- वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा
- प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की है योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है।

वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गोमती नदी में वाटर मेट्रो संचालन की संभावनाओं, तकनीकी पहलुओं और आगे की कार्ययोजना पर मंथन किया गया।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि परियोजना से संबंधित होने वाले व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
> –**दयाशंकर सिंह,** परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन:निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3 .60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5° सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

इंदौर दूषित पेयजल मामले में बड़ा एक्शन, दो अधिकारियों पर कार्रवाई

इंदौर, एजेंसी

- निगम आयुक्त को हटाने के निर्देश अपर आयुक्त और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री निलंबित

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटाने के निर्देश दिए। वहीं इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी, इस संबंध में कठोर निर्णय लिए जा रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। इसी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीज उपचार के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं।

हाईकोर्ट में सरकार बोली- यह प्रकोप लोक स्वास्थ्य आपातकाल

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की स्थिति रिपोर्ट में कहा गया कि डायरिया के प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेते हुए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के निर्देश पर यह रिपोर्ट पेश की। अदालत पेयजल त्रासदी को लेकर इंदौर उच्च न्यायालय अभिभाषक (वकील) संघ के अध्यक्ष रितेश ईनाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर छह जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का निधन

- कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान आया हार्टअटैक बरेली के फरीदपुर से थे विधायक

बरेली। फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार भाजपा के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई तो तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने वेंटीलेटर पर रखकर उन्हें सीपीआर दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60 वां जन्मदिन मनाया था। सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। जिसमें फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे तभी उन्हें हार्टअटैक पड़ गया।

1500 करोड़ के जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने की कार्रवाई

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है। बाद में ईडी की शिकायत के आधार पर गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने भी पटेल, उनके निजी सहायक जयराजसिंह झाला, क्लर्क मयूरसिंह गोहिल और उप मामलतदार मोरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। टीम ने सुरेंद्रनगर जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात मोरी के आवास पर 23 दिसंबर को छापेमारी के दौरान 67.5 लाख नकदी बरामद होने के बाद रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में भूमिका के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी

किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क रहना चाहिए : पीठ

पीठ ने कहा, अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके। उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। उन्होंने कहा, यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जान को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

एमकेएसवाई के लिए धनराशि स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसवाई) के अंतर्गत केंद्र सरकार से जारी केंद्रांश धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि कुल मिलाकर 9 करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित दिशा-निर्देशों व गाइडलाइन के अनुरूप समय से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नहीं होगी।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

बीते वर्ष 4 लाख कम हुए चालान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचारः इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

लखनऊ : अपने सरकारी आवास पर बैठक में राजस्व और पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटे मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 221 सदस्यीय समिति गठित करेगी भौतिक सत्यापन

अमृत विचारः कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में आईआईटी करेगा मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई युक्त इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर होगा स्थापित
- नुकसान को कम करने को वैज्ञानिक मॉडल और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर जोर

अमृत विचारः प्रदेश में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की विशेषज्ञता का लाभ लेगा। उद्देश्य है कि आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा विकसित आधुनिक मॉडल लागू कर आपदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करना।

शुक्रवार को पिकप भवन स्थित यूपीएसडीएमए कार्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मनीष भारद्वाज ने राज्य की आपदा तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहर, वज्रपात और भूकंप जैसे जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेने के निर्देश दिए। साथ ही एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों और आमजन को आपदा प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित करने पर बल दिया। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निकट गांवों में नाविकों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए।

यूपीएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई-युक्त अत्याधुनिक राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित निर्णय संभव होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत गृह मंत्रालय और एनडीएमए के सहयोग से प्रदेश के 25 जिलों में 29,772 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूपीएसडीएमए के उपाध्यक्ष जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि प्राधिकरण के सभी कार्य भारत सरकार और एनडीएमए की गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

लखनऊ : छात्र एजेंल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जीपीएस वाहनों से खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था एक प्रभावी और निर्णायक पहल के रूप में सामने आई है। राज्य में 5 हजार से अधिक जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए अब गोदाम से लेकर उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही पूरी तरह डिजिटल निगरानी में हो रही है। इस व्यवस्था ने वर्षों से चली आ रही खाद्यान्न चोरी, लीकेज और कालाबाजारी की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से खाद्यान्न उठान करने वाले सभी प्रमुख वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे यह रियल टाइम में देखा जा सकता है कि वाहन कब, कहां से चला, रास्ते में कहां रुका और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचा या नहीं। कंट्रोल सिस्टम में हर गतिविधि दर्ज होने से परिवहन के दौरान होने वाली हेराफेरी की संभावनाएं लगभग खत्म हो गई हैं।

केवल खाद्यान्न वितरण ही नहीं, बल्कि खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के दौरान धान खरीद में भी जीपीएस ट्रैकिंग को अनिवार्य किया गया है।

जीरो पावर्टी अभियान

संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर जोर, दो चरणों में लाभ पहुंचाने की रणनीति

योजनाओं से परिवारों को गरीबी से मुक्त कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू किया गया 'जीरो पावर्टी' मिशन प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन के समन्वय से एक सशक्त और परिणामोन्मुख मॉडल के रूप में उभर रहा है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबी के दुष्चक्र को स्थायी रूप से तोड़ना। दो चरणों में लागू की गई रणनीति से यह साफ है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर फोकस कर रही है।

लखनऊ के गोसाईंगंज क्षेत्र में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इन परिवारों को मकान, स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़क, बिजली कनेक्शन, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये लाभार्थी बताते हैं कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान दोनों लौटाया है। यही 'जीरो पावर्टी' मिशन की मूल भावना है-सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि समग्र जीवन सुधार।

इस अभियान के तहत प्रदेशभर में वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। सर्वे के आधार पर महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने की योजना है। वहीं लगभग 11 हजार बच्चों को पुनः नामांकन के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से मिले फीडबैक को नीतिगत सुधार का आधार बनाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे।

पहला चरण: डीबीटी से योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज

पहले चरण में आठ प्रमुख योजनाओं में पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है। निराश्रित महिला पेंशन योजना में 87 प्रतिशत और दिव्यांग पेंशन में 62 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया है।

दूसरा चरण: घर-घर सत्यापन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच

15 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए दूसरे चरण में 16 योजनाओं के अंतर्गत वंचित परिवारों का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है, जिसे 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। पीएम उज्ज्वला योजना, शौचालय सहायता, जल जीवन मिशन और विद्युत कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान पर विशेष जोर है।

दूरसंचार का पावरहाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

अमृत विचारः दूरसंचार क्षेत्र में तेज़ी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

न्यूज ब्रीफ

बाइक मिली, युवक का कोई सुराग नहीं

मंगलपुर। संदलपुर क्षेत्र के बहवलपुर गांव से लापता युवक की बाइक हवासपुर नदी पुल के पास लावारिस हालत में मिली है, मगर उसका कोई सुराग नहीं लगा। मंगलपुर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। बताया गया कि 26 बृजेंद्र कुमार उर्फ भाटी 26 दिसंबर की सुबह लगभग 11 बजे बाइक लेकर घर से निकला था। बाइक तो मिल गई, बृजेंद्र का कोई सुराग नही लगा। भाई महेंद्र कुमार पुत्र सुरेश ने मंगलपुर थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई।

तीन घंटे बाद मिली बच्ची, लौटी खुशी

मंगलपुर। झींझक में पुलिस की सक्रियता से 3 वर्षीय बच्ची 3 घंटे बाद ही मिल गई, जिसे छाती के लगाते ही खुशी के आंसू छड़क पड़े। अंबेडकर नगर निवासी दिलशाद की 3 वर्षीय बेटी मरियम घर के बाहर खेलते-खेलते भटककर सब्जी मंडी के पास पहुंच गई। सब्जी मंडी में बच्ची को रोते देख लोग जुट गए और उसके बारे में जानना चाहा, लेकिन मासूम कुछ न बता पाई। इधर, परिवार वाले मोहल्ले और आसपास के इलाकों में तलाश कर रहे थे। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मरियम को तलाशा और सुपुर्द कर दिया।

रामचरित मानस पाठ का आयोजन आज

शिवली। बैरी तिराहे के भोलेनाथ मंदिर पर सोलहवां भंडारा व प्रसाद वितरण आयोजित किया जा रहा है। व्यवस्था से जुड़े आलोक 3 जनवरी को रामचरित मानस का अखंड पाठ शुरू होगा। 4 जनवरी को रामचरित मानस का अखंड पाठ विश्राम के बाद भंडारा का आयोजन होगा।

अकबरपुर में डीएम 5 को सुनेंगे शिकायतें

कानपुर देहात। एडीएम अमित कुमार ने बताया कि मार्च माह तक के रोस्टर के अनुसार 3 जनवरी को अवकाश होने के कारण अब 5 जनवरी को समाधान दिवस का आयोजन होगा। अकबरपुर में डीएम मौजूद रहेंगे। भोगनीपुर में सीडीओ, डेरापुर में एडीएम प्रशासन, मैथा में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

5 ब्लाकों में 5 तारीख से लगेंगे रोजगार मेले

कानपुर देहात। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि राजपुर ब्लाक में 5 जनवरी, डेरापुर में 6 जनवरी, संदलपुर में 7 जनवरी, झींझक में 8 जनवरी और अकबरपुर में 9 जनवरी को सुबह 10 :30 बजे से रोजगार मेले लगेंगे। निजी क्षेत्र की कंपनी जीडीएक्स सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड नोएडा के प्रतिनिधि आएंगे। 19 से 45 वर्ष के न्यूनतम 10वीं पास 168 सेंटीमीटर हाइट वाले युवा शैक्षिक दस्तावेजों की कॉपी एवं दो फोटो के साथ भाग ले सकते हैं।

सड़क हादसे में दो बाइक सवार घायल

रसूलाबाद। नारखुर्द गांव निवासी शिवम (24) पुत्र रजोल अपने साथी गौरव (15) पुत्र रामू के साथ बाइक से रसूलाबाद आ रहे थे। रास्ते में बाइक फिलसने से दोनों लोग घायल हो गए। उन्हें सीएससी लाया गया, जहां डॉ. बृजेश कुमार ने गौरव की गंभीर दशा के चलते उसे मेडिकल कॉलेज अकबरपुर रेफर कर दिया।

विवाहिता ने निगला जहर, हालत खराब

रसूलाबाद। कस्बे के रहीम नगर निवासी रामआसरे की पत्नी भूरी देवी (50) ने घरेलू विवाद के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए, जहां ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने भर्ती कर इलाज किया।

घर में सांप ने महिला को डसा, भर्ती कराया

रसूलाबाद। दया का पुरवा गांव में घरेलू काम करते समय शिशुपाल की पत्नी शिवमती (33) को जहरीले सर्प ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए, वहां ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने भर्ती कर इलाज किया।

सेवानिवृत्ति पर दी लेखपाल को विदाई

रसूलाबाद। लेखपाल मुस्तफा हुसैन के सेवानिवृत होने पर तहसील सभागार में तहसीलदार संतोष कुमार सिंह की मौजूदगी में विदाई समारोह हुआ। सपा नेता हाजी फैजान खान ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। नायब तहसीलदार, बार के अध्यक्ष आरपी सिंह राजपूत भी मौजूद रहे।

मदद को बढ़े हाथ

कानपुर देहात की सामाजिक संस्था सोसाइटी फॉर इक्विटेबल वॉलेंट्री एक्टिविटी (सेवा) की ओर से शुक्रवार को ठंड पीड़ित लोगों की सुधि ली गई। संस्था के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बस्ती में भ्रमण किया और जरूरत मंद लोगों को कंबल और दूसरी चीजें वितरित कीं।संस्था की संस्थापिका एवं सचिव कंचन मिश्रा ने अपने पुत्र मयंक मिश्रा के साथ शीतलहर के बीच सड़क किनारे लोहा पीटने वाले और घरों में काम कर अपने परिवार का गुजारा करने वाली महिलाओं का हाल जाना। सर्दी से निपटने के लिए घर में उपलब्ध गर्म कपड़ों और सामान के बारे में जानकारी हासिल की। इसके बाद जरूरतमंदों को कंबल दिए। कंचन ने बताया कि सर्दी शुरू होने के साथ उनका संगठन समाज सेवा में लगा है। लोगों की मदद की जा रही है। पूरी ठंड में जरूरतमंदों को कपड़ों और सामान का वितरण किया जाएगा। उन्होंने समाजसेवी अरुण द्विवेदी का आभार जताया, जिन्होंने संस्था को कंबल प्रदान किए। इस मौके पर सुनील पांडेय, संध्या पांडेय, पप्पू, धीरू अवस्थी मौजूद रहे। • अमृत विचार

अब पाला की मार, आलू-लाही की फसल बेजार

धड़कन बढ़ी

संवाददाता, शिवली

- पाला की वजह से झुलसने और सूखने लगीं फसलों की पत्तियां
- खेतों के आसपास धुआं करने की सलाह दे रहे कृषि विशेषज्ञ

अमृत विचारः क्षेत्र में कड़ाके की ठंड और पाले के प्रकोप से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लगातार गिरते तापमान के कारण आलू और लाही की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रात के समय पड़ रहे पाले से आलू की पत्तियां झुलसने लगी हैं, वहीं लाही की फसल भी सूखने लगी है। फसलों की हालत देखकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं।

पाले से फसलों के नुकसान को देखते हुए किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई है। किसान राजकुमार कुशवाहा, अंशू सिंह,रणविजय सिंह,विमलेश अग्निहोत्री ने आलू व लाही की फसल में भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।किसानों का कहना है कि इस समय आलू और लाही की फसल अपने विकास के महत्वपूर्ण चरण में है। ऐसे में अचानक बढ़ी ठंड ने फसलों की बढ़वार रोक दी है।

कई स्थानों पर खेतों में सफेदी जमने से पौधों की ऊपरी परत जल गई है, जिससे पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा। फसल को बचाने के लिए किसान देर रात तक खेतों में सिंचाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं, खेतों पर धुआं कर फसलों को पाले से बचाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन लगातार ठंड पड़ने से राहत नहीं मिल पा रही है। इससे फसलों की पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा। किसानों ने जिला प्रशासन से मौसम को देखते हुए सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। कृषि विशेषज्ञ डॉ. खलील खान ने किसानों को हल्की सिंचाई, खेतों में धुआं करने और फसलों पर आवश्यक पोषक तत्वों के छिड़काव की सलाह दी है।

लगातार कोहरे और पाले से खराब हो रही आलू की फसल। अमृत विचार

लाही की फसल पर भी पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव। अमृत विचार

कोहरे के बीच बंबा में गिरी बाइक, युवक की गई जान

शिवली कोतवाली क्षेत्र के भेवान गांव के पास हुआ हादसा

संवाददाता, शिवली

- बिल्हौर कस्बे के गुरुनानक विद्या कॉलोनी का निवासी था युवक
- हादसे में घायल किराएदार युवक को डॉक्टर ने कानपुर रेफर किया

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के भेवान के पास शुक्रवार तड़के कोहरे में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पानी भरे रजबहे में जा गिरी। दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको गंभीर हालत में सीएचसी शिवली ले जाया गया। डॉक्टर ने बिल्हौर निवासी युवक को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया जबकि उसके दोस्त इटावा निवासी युवक को नाजुक हालत में कानपुर रेफर कर दिया।

बिल्हौर के गुरुनानक विद्या कालोनी का रहने वाला अमन यादव (24) प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसके पिता अरविंद यादव हरियाणा में प्राइवेट नौकरी करते हैं। गुरुवार को वह अपने किराएदार इटावा के भरथना क्षेत्र के रौरा गांव निवासी निजी बैंककर्मी शिशुपेंद्र (28) के साथ बाइक से शोभन मंदिर दर्शन करने के लिए आया था। इसके बाद वह अपने दोस्त के साथ मैथा गांव में शराब ठेके पर सेल्समैन का काम करने वाले अपने रिश्तेदार मोहन लाल से मिलने चला गया। शुक्रवार तड़के दोनों मैथा से वापस बिल्हौर लौट रहे थे। रास्ते में शिवली कोतवाली क्षेत्र के भेवान के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पानी भरे रजबहे में जा गिरी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

सुबह वहां से निकले लोगों से जानकारी मिलने पर पहुंची शिवली पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना देकर दोनों को गंभीर हालत में सीएचसी भेजा, जहां डॉ. शनि यादव ने जांच के बाद अमन यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि शिववेंद्र की हालत गंभीर देख उसको हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया। हादसे की सूचना पर सीएचसी शिवली पहुंचे परिजनों को अमन की मौत की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। बेटे की मौत से उसकी मां गुड्डी देवी बदहवास हो गईं। जबकि भाई अनुज का रो रोकर बुरा हाल हो गया। सीएचसी से भेजी गई सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर अपराध शीलेंद्र यादव ने बताया कि प्राथमिक छानबीन में अनियंत्रित बाइक रजबहे में गिरने से हदसा होने की बात सामने आई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

एडीएम ने देखा रैनबसेरे का हाल

कानपुर देहात। कड़ाके की ठंड देख शुक्रवार को एडीएम दुष्यंत कुमार मौर्य ने तहसीलदार के साथ अकबरपुर के रैनबसेरे का निरीक्षण किया। उन्होंने सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया।

एडीएम ने रैन बसेरे में स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, शौचालय, प्रकाश, गर्म वस्त्र, कंबल, बिस्तर तथा अलाव की व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रैन बसेरे में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि रैन बसेरे में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समय-समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए। अपर जिलाधिकारी ने ठंड के मौसम को देखते हुए रैन बसेरे में ठहरने वाले लोगों को पर्याप्त कंबल उपलब्ध कराने तथा रात्रि में अलाव की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

कोहरे और कम दृश्यता पर करें हेडलैंप के इंडीकेटर का उपयोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- सड़क सुरक्षा माह में एआरटीओ दफ्तर में कार्यशाला आयोजित
- कोहरे में हादसे से बचने के लिए रिफ्लेक्टर लगवाने पर जोर

अमृत विचारः जिले में नए साल के पहले दिन से सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम शुरू हुआ है। इसके जरिए वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूक किया जा रहा। सर्दी के कोहरे और कम दृश्यता को देखते हुए वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा माह की गतिविधियां दूसरे दिन भी जारी रहीं।

शुक्रवार को स्टेक होल्डर विभागों शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, परिवहन, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा अपने लिए निर्धारित गतिविधियों को यातायात नियमों के अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता के लिए संपादित किया गया। एआरटीओ कार्यालय परिसर में परिवहन विभाग ने कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं जीरो फैटिलिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने की जरूरत पर जोर दिया गया। नियमों के प्रति संवेदीकरण हेतु वाहन चालकों, वाहन यूनियन के सदस्यों, अन्य जन सामान्य से जागरूक रहने की अपील की गई।

मोटर यान निरीक्षक जीवन कुमार ने सड़क सुरक्षा व सड़कों पर अपने वाहन के सुरक्षित संचालन के लिए अपने वाहनों की समय से सर्विस कराने, प्रदूषण के मानकों का समय पर परीक्षण कराने सहित अनेक तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने शीत ऋतु के दृष्टिगत अपने वाहनों के हेडलैंप, इंडीकेटर मानक के अनुसार लाल, सफेद व पीली रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने, ओवर स्पीडिंग न करने की अपील की। कार्यशाला में उयुवाओं को गाड़ी चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने, वाहनों पर स्टंट आदि न करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यशाला में वाहन चालकों को सावधानियां बरतने की सलाह दी गई। अमृत विचार

एसडीएम के भरोसे पर टूटा अनशन

संवाददाता, रनियां

- ईओ पर सगे संबंधी को टेंडर जारी करने के साथ कई गंभीर आरोप
- आरोपों की जांच के लिए गठित होगी कमेटी, होगी कार्रवाई

अमृत विचारः धरने के बाद आमरण अनशन पर बैठे रनियां नगर पंचायत के सभासदों को मनाने के लिए शुक्रवार को एसडीएम सदर नीलिमा यादव एक बार फिर मौके पर पहुंचीं। कुछ देर की बातचीत और चेयरमैन विटान दिवाकर के हस्तक्षेप के बाद कुछ लिखित आश्वासन पर अनशन समाप्त कर दिया गया। अधिकारियों की ओर से जांच और कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है।

रनियां नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के अनुचित बर्ताव और व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सभासद बीते सोमवार से धरने पर बैठे हुए थे। इस बीच गुरुवार से चार सभासद भूख हड़ताल पर चले गए थे। इसकी जानकारी मिली तो डीएम ने अधीनस्थों को मौके पर भेजकर हालात पर नजर बनाए रखते हुए मेडिकल टीम को जांच के लिए आदेशित किया था। शुक्रवार को एसडीएम सदर नीलिमा यादव, तहसीलदार पवन कुमार एक बार फिर मौके पर पहुंचे और उन्होंने सभासदों से बातचीत करते हुए आमरण अनशन समाप्त कराया। सभासदों ने लिखित आरोप लगाया कि गोमती नगर लखनऊ निवासी अगम राय व ईओ मनीष राय सगे संबंधी हैं और इन्हें टेंडर जारी किए गए हैं, जो कि नियम विरुद्ध हैं। इसी तरह लखनऊ के धर्मेंद्र तिवारी की फर्म की जांच कराए जाने की मांग की है। ईओ के कार्यकाल में बनी सड़कों की टीएसी जांच कराने के साथ स्ट्रीट लाइट व पोल खरीदने का पूरा ब्योरा मांगा गया है।

आरोप है कि इसमें बड़ा घालमेल हुआ है। नगर पंचायत की गाड़ियों में पड़ने वाले डीजल में भी खेल चल रहा है, इसकी जांच होनी चाहिए। उपकरणों की खरीद-फरोख्त की जांच होनी चाहिए। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि जो भी आरोप हैं उनकी जांच कराई जाएगी और अगर गड़बड़ी पाई जाती है तो निश्चित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में तहसीलदार पवन कुमार ने बताया कि कमेटी बनाकर जांच कराई जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान इंस्पेक्टर एसएन सिंह, प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर आदि मौजूद रहे।

अनशन पर बैठे सभासदों को कार्रवाई का भरोसा देतीं एसडीएम। अमृत विचार

ऋण अदायगी को लागू हुई ओटीएस

कानपुर देहात। जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के बकाया ऋण जमा करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की गई है। योजना 31 मार्च तक लागू रहेगी।

योजना में बकाएदारों को पूरी धनराशि एकमुश्त जमा करने पर कई लाभ मिलेंगे। ऐसी अदायगी में दंड ब्याज की पूरी धनराशि माफ कर दी जाएगी। इसके अलावा चक्रवृद्धि ब्याज की पूरी धनराशि माफ कर दी जाएगी और बकाएदारों से सिर्फ ऋण अवधि (36 माह से लेकर 80 माह तक) का ही साधारण ब्याज लेकर उन्हें ऋण मुक्ति प्रमाण-पत्र दे दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विकास खण्ड स्तर पर सहायक/ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) एवं जनपद स्तर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी से जानकारी हासिल की जा सकती है।

विधायक महेश त्रिवेदी की वृद्ध चाची का निधन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी की चाची श्यामा त्रिवेदी का देहांत हो गया। वह 75 वर्ष की थीं। उनके निधन पर बड़ी संख्या में लोग उनके पुखरायां स्थित आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। 12 जनवरी को त्रयोदशी संस्कार का कार्यक्रम होगा।

मूल रूप से गुजराई गांव के रहने वाले विधायक महेश त्रिवेदी का अधिकांश परिवार पुखरायां में रहता है। यहीं उनकी चाची श्यामा त्रिवेदी रहती थीं। कुछ समय से वह अस्वस्थ थीं। शुक्रवार को लोग राइस मिल पहुंचे और विधायक से मिलकर संवेदना जताई। शुभचिंतकों ने चित्र पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूरे दिन अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, व्यापारियों और समाज सेवियों का आना-जाना लगा रहा। श्री राम प्रकाश पोरवाल डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने कहा कि मानव जीवन में तय है कि जो इस धरती पर आया है उसे एक न एक दिन जाना होता है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की होती है कि हम जाने वाले अपने परम स्नेही की कार्यशैली, उसकी सोच और अच्छाइयों को याद करते हुए उस मार्ग पर चलने का काम करें। औरैया भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता सहित लाखन सिंह यादव, हरि कांत पुरवार, रवि शशि द्विवेदी, अवध विश्नोई, सन्नी गुप्ता, गोविंद मिश्रा आदि पहुंचे। आरएसजी इंटर कॉलेज प्रबंधन ने शोक सभा कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। विद्यालय की ओर से शोक पत्र भी भेजा गया।

श्यामा त्रिवेदी।

नई पहल महिला सिपाहियों के लिए खरीदी जाएगी स्कूटी, सहयोग राशि के लिए बढ़े हाथ

महिला सुरक्षा को मिलेगी 'नई रफ्तार'

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को जागरूक करने के लिए राजपुर थाने में तैनात महिला कांस्टेबलों को सुगम संचालन हेतु स्कूटी के लिए श्री राम प्रकाश पोरवाल महाविद्यालय समिति के प्रबंधक डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने 11,000 रुपये धनराशि का चेक राजपुर थानाध्यक्ष सनत कुमार एवं चौकी इंचार्ज गुरेंद्र प्रताप सिंह के माध्यम से एनजीओ शिवा ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के नाम से प्रदान की है।

इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी। बताते चले कि डॉ. अनिल कुमार पोरवाल पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों मे बढ़चढ़कर हिस्सा लेकर जागरूक करने का वीणा उठाया है। डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने समय-समय पर सामाजिक कार्यों में हर तरह से सहयोग करते रहते हैं, उनका मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा करना है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में अधिकतर नवयुवक संस्कार विहीन होते जा रहे है। बेटे-बेटियों को चाहिए कि वे कुछ पल अपने परिवार, रिश्तेदार और करीबी बुजुर्गों के साथ बिताएं, जिससे वे संस्कारवान नागरिक बन सके। वहीं थानाध्यक्ष ने श्री पोरवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिशन शक्ति की महिला पुलिस कर्मियो को स्कूटी का उपयोग क्षेत्र में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए करेंगी। इसके अलावा इनका इस्तेमाल जन जागरूकता अभियान, चौपालों के आयोजन, क्षेत्र में गश्त और शोहदों के खिलाफ कार्रवाई के लिए भी किया जाएगा। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरविंद द्विवेदी समेत कई लोग मौजूद रहे।

सहयोग राशि का चेक देते डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ. अनिल कुमार। अमृत विचार

नेतराम गली का अतिक्रमण साफ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- अभियान शुरु होने से पहले ही कई दुकानदारों ने सामान समेटा
- दुबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई

अमृत विचारः पुखरायां में शुक्रवार को मुख्य मार्ग पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। एसडीएम देवेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में चले इस अभियान के दौरान बुलडोजर का इस्तेमाल कर फुटपाथों पर हुए कब्जों को हटाया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान की सूचना मिलने पर दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई।

अभियान की शुरुआत से पहले ही कई दुकानदारों ने अपना सामान हटाना शुरू कर दिया था। उच्च अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाते हुए दोबारा कब्जा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। एसडीएम के साथ नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार रहे। उन्होंने पुलिस प्रशासन और राजस्व टीम के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाने कार्रवाई की। नगर पालिका मोड़ से लेकर नेतराम गली तक मुख्य मार्ग के एक तरफ से अतिक्रमण हटाया गया।

अतिक्रमणकारियों को अभियान की सूचना मिलते ही उन्होंने फुटपाथ पर रखा अपना सामान हटाना शुरू कर दिया था। अधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों की मदद से बुलडोजर का उपयोग कर अतिक्रमण हटवाया और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी।

पुखरायां कस्बे में एसडीएम की मौजूदगी में हटाया गया अतिक्रमण। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

बिठूर से गंगाजल लेकर भूतेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे शिव भक्त

घाटमपुर। यहां शिव हरी धाम मंदिर में बिठूर से गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों का शिव भक्तों ने नवड़ी में फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इसके बाद शिव भक्तों की कांवड़ यात्रा शिव हरी धाम स्थित बाबा भूतेश्वर महादेव महाराज पहुंची जहां पर जहां पर मंदिर प्रांगण हर हर देव महादेव, बम बम भोले से भक्ति मय हो गया। आरती, प्रसाद के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत मदनपुर गांव स्थित शिव हरी धाम में बाबा भूतेश्वर महादेव महाराज मंदिर में गुरुवार को कानपुर बिठूर घाट से शिव भक्तों की टोली गंगाजल लेकर बाबा भूतेश्वर महादेव मंदिर में पहुंची जहां पर शिव भक्तों ने टोली का फूलमालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। नवड़ी में चौबेपुर के पूर्व प्रधान राजेश अवस्थी, धर्मेंद्र मिश्रा, ओम बाबा, के नेतृत्व में शिव भक्तों का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने कान्हा गौशाला देखी

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के कान्हा गौशाला का निरीक्षण नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने किया। वहीं गायों को गुड़ चना खिलाकर सर्दी से बचाने के निर्देश दिए। कस्बे के कान्हा गौशाला में नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर शुक्रवार को निरीक्षण किया। जहां गायों को गुड़ चना खिलाकर उनके सर्दी के बचाव के इंतजाम के बारे में जानकारी ली। पड़ रही कड़ाके की ठंडी में अलाव जलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पशु ठंड से मौत न हो निरीक्षण के दौरान सोनू कबीर अनिरुद्ध पांडे आदि मौजूद रहे।

नलकूप पर छापा, 4 जुआरी पकड़े गए

मौदहा (हमीरपुर)। बिवांर पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर बरदानी अनुरागी के नलकूप में छापा मारा। पुलिस ने छापेमारी में उपरी निवासी भूरा, कालीचरण, राधेश्याम उर्फ बच्चा और अनंतराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के पास से ताश के पत्ते और फड़ व आरोपियों की तलाशी सहित 6800 रुपये बरामद किए गए हैं।

वैन और ऑटो की भिड़ंत, आधा दर्जन सवारियां घायल

संवाददाता, घाटमपुर

• **कानपुर-सागर हाईवे के धरमपुर बंबा के पास हुआ हादसा**

अमृत विचार। कानपुर-सागर हाईवे पर पतारा के धरमपुर बंबा के पास शुक्रवार दोपहर ओमनी और वैन की सीधी टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के परखचे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस दौरान ऑटो और वैन में सवार करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बिधनू सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इधर हादसे के बाद हाईवे के दोनों ओर लम्बा जाम लग गया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के धरमपुर बंबा स्थित रिंद नदी पुल पर ओमिनी वैन और ऑटो की आमने सामने भिड़ंत हो गईं। हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना फोनकर पुलिस को दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकलवाया और एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टर ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। वहीं गंभीर घायल तीन लोगों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे में अच्छेलाल गुप्ता, राज, प्रदीप कुमार, दीपक, महेश कुमार सविता , दिलीप, अनुराग घायल हो गए। डॉक्टर ने तीन को गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इस दौरान घायल जमीन पर पड़े दर्द से चीखते-पुकारते रहे।

सीएचसी बिधनू में घायल का उपचार करते हुए, घायल को एंबुलेंस तक ले जाते लोग। अमृत विचार

कानपुर-सागर हाईवे पर लगा लम्बा जाम। अमृत विचार

हाईवे पर लगा जाम, क्रेन से हटवाए वाहन

हादसे के चलते कानपुर-सागर हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे से हटवाया और धीरे-धीरे यातायात को सुचारू कराया। इस दौरान वाहन चालकों और उनमें बैठी सवारियों को सर्दी में खासी परेशानी हुई। मामले में घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर हाईवे पर यातायात बहाल करा दिया गया है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाइनमैन की ट्रांसफार्मर में चिपक कर मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्राइवेट तौर पर बिजली का करता था काम, परिजनों ने संविदाकर्मियों पर लगाए आरोप

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। विद्युत लाइन सुधारते समय प्राइवेट लाइनमैन करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुरी तरह जले हुए युवक को शिवराजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा व संविदा कर्मियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।

सूरज।

क्षेत्र के काकूपुर हलबल गांव निवासी ओम प्रकाश ने थाने में दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर 2 बजे बिजली घर के दो संविदा लाइनमैन जो की चौबेपुर थाना क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव के निवासी है और मेरे लड़के सूरज (30) को काम करने के लिए क्षेत्र के मुंहपोछा गांव लेकर पहुंचे। यहां सूरज को को ट्रांसफार्मर से लाइन जोड़ने के लिए खंभे पर चढ़ा दिया वह यह दोनों संविदा कर्मी नीचे ही खड़े रहे। ट्रांसफार्मर से लाइन सही करते समय सूरज हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया व गंभीर रूप से झुलसकर घायल हो गया। घटना के होते ही संविदाकर्मी दोनों लाइनमैन मौके से भाग खड़े हुए। जानकारी पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में उसे शिवराजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की खबर सुनकर सूरज के परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे व जमकर हंगामा काटा।

मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि तहरीर मिली है मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच करके आगे की कार्रवाई की जाएगी । घर में सूरज की पत्नी रिंकी, तीन छोटे-छोटे बच्चे जिसमें पूजा 7 वर्ष राज 5 वर्ष व दुर्गा 2 वर्ष हैं। घटना के बाद पत्नी व सूरज के माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल था। मोहल्ले में कोहराम मचा था। वहीं घटना की सूचना पर तहसीलदार अनुभव चंद्रा व लेखपाल रजनीश कुमार घटनास्थल पर पहुंचे व इसके बाद थाने पहुंचे। वहां पर मौजूद परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

प्राइवेट लाइनमैन की मौत के बाद हंगामा करते परिजन। अमृत विचार

भैसऊ जगदीशपुर मार्ग पर बनेगा नया पुल, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

संवाददाता,शिवराजपुर

01 69 लाख रुपये से पुल और सड़क का होगा निर्माण

• **विधायक के प्रयास से पुल और रोड निर्माण स्वीकृत**

अमृत विचार। क्षेत्र के भैसऊ और जगदीशपुर को जोड़ने वाला पुल पूर्णतया जर्जर हो चुका है। बाइक और पैदल चलने वाले ही लोग निकल पा रहे हैं। भारी वाहन न निकलने के चलते लोगों को 10 किलोमीटर घूम कर चक्कर लगाना पड़ता है। क्षेत्र के विधायक राहुल बच्चा सोनकर से कई बार पुल के निर्माण करने की मांग की। क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों के बाद पुल और रोड निर्माण स्वीकृत हो गया है।

जगदीशपुर से भैसऊ संपर्क मार्ग पर बने नून नदी का जर्जर पुल होने पर विधायक की पहल पर 84 लाख 57 हजार की लागत का पुल बनवाने को पुल और रोड निर्माण स्वीकृत हो गया है। जानकारी के अनुसार यह 1 करोड़ 69 लाख की कुल परियोजना है। भैसऊ जगदीशपुर संपर्क मार्ग पर आरसीसी लघु सेतु स्वीकृत हुआ है। जर्जर पुल होने के चलते गुरेनी, जैतपुर, टोड़कापुर, महाराजनगर सहित अन्य गांवों को जाने के लिए बड़े वाहन को घुमा कर ले जाना पड़ता था। जिससे करीब 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। पुल बनने से ग्रामीणों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। बारिश के दौरान पुल के ऊपर से पानी का बहाव चलता था जिससे स्कूल आने वाले बच्चों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। पहले बारिश के दौरान पुल के ऊपर पानी आ जाने के कारण कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने बताया कि ग्रामीण लगातार पुल निर्माण की मांग करते रहे हैं जिसकी स्वीकृति मिल गई है जल्द ही ग्रामीणों की सुविधा के लिए पुल बनाकर तैयार कराया जाएगा। भैसऊ गांव निवासी अनुराग कटियार, सोनू कटियार,लालू, नीतू,गोलू, जगदीशपुर गांव निवासी विकास कटियार, लालू, भोला अन्य गांव के ग्रामीणों ने बताया पुल के निर्माण होने से बड़े वाहन इसी रास्ते से निकल जाएंगे जिससे आवागमन में आराम रहेगी। पुल का प्रस्ताव पास होने पर ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया।

इस पुल की जगह बनेगा नया पुल।

कार्यालय जिला पंचायत, चित्रकूट (उ0प्र0)

पत्रांक- 3674 / खनिज-ठेका / ई-ऑवशन/जि0पं0चि0/2025-26 दिनांक : 02.01.2026

खनिज परिवहन ई-नीलामी (ऑक्शन) सूचना (अवधि 21-01-2026 से 31-3-2026 तक के लिए)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या-2043/ ख्या-2043/ खनिज-ठेका/ई-ऑक्शन / जि0पं0 चि0/2025-20 दिनांक 18 अक्टूबर, 2025 के द्वारा जिला पंचायत, चित्रकूट के खनिज परिवहन ठेका वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवशेष अवधि (12-11-2025 से 31-03-2026 तक) के लिए ई-नीलामी हेतु ई-नीलामी (ऑक्शन) के प्रकाशन एवं दस्तावेज अपलोड/प्रारम्भ की तिथि 21-10-2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक, दस्तावेज अपलोड/भुगतान करने की अन्तिम तिथि 07-11-2025 को सायं 05:00 बजे तक, दस्तावेजों के तकनीकी परीक्षण एवं पत्राचार / सत्यापन की प्रारम्भ व अन्तिम तिथि 08-11-2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 9-11-2025 की सांय 05:00 बजे तक एवं ई-नीलामी की प्रारम्भ एवं अन्तिम तिथि व समय दिनांक 10-11-2025 को समय पूर्वान्ह 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक नियत की गयी थी किन्तु उपरोक्त ई-नीलामी के विरूद्ध श्री बीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री लाल बहादुर सिंह, निवासी महेश्वरी देवी रोड, थाना कोतवाली नगर, बांदा, जनपद-बांदा के द्वारा मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में रिट याचिका संख्या-38478/2025 बीरेन्द्र सिंह कान्ट्रैक्टर बनाम् स्टेट ऑफ यू0पी0 व तीन अन्य योजित की गयी। उक्त रिट याचिका में मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 07-11-2025 एवं संशोधित आदेश दिनांक 19-11-2025 में आयुक्त महोदय, चित्रकूट धाम मण्डल, बांदा को श्री बीरेन्द्र सिंह के प्रत्यावेदन को एक माह के अन्दर निस्तारण किये जाने के आदेश प्रदान किये गये। तत्क्रम में मा0 आयुक्त महोदय, चित्रकूटधाम मण्डल, बांदा द्वारा याची श्री बीरेन्द्र सिंह को सुना गया। याची द्वारा आयुक्त महोदय, चित्रकूट के समक्ष प्रस्तुत प्रत्यावेदन / अभिकथन दिनांक 26-12-2025 को भली-भाँति अवलोकन एवं परिशीलन के उपरान्त जिला पंचायत, चित्रकूट में प्रचलित खनिज परिवहन शुल्क वसूली उपविधि/प्रश्नगत ठेका हेतु विज्ञापित/नियत शर्तो के अनुसार कार्यवाही करते हुए खनिज परिवहन शुल्क वसूली ठेका/ई-ऑक्शन की नीलामी कार्यवाही को शीघ्रतातिशीघ्र कराये जाने के आदेश प्रदान किये गये हैं।

मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा पारित उपरोक्त आदेश दिनांक 07-11-2025 के समादर में आयुक्त महोदय, चित्रकूटधाम मण्डल, बांदा द्वारा उपरोक्तानुसार याची के प्रत्यावेदन/अभिकथन के निस्तारणोपरान्त आयुक्त महोदय द्वारा उपरोक्तानुसार दिये गये आदेशानुपालन में जिला पंचायत, चित्रकूट में प्रचलित उपविधि खनिज परिवहन शुल्क वसूली उपविधि/प्रश्नगत ठेका हेतु विज्ञापित/नियत शर्तो के अनुसार ठेकेदार श्री बीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री लाल बहादुर सिंह, निवासी महेश्वरी देवी रोड, थाना-कोतवाली नगर, बांदा, जनपद-बांदा की धरोहर जमानत धनराशि मु0 25,00,000/- रूपये (पच्चीस लाख रूपये मात्र) को जब्त करते हुए उन्हें इस ई-नीलामी (ऑक्शन) में प्रतिभाग करने से वंचित / प्रतिबन्धित किया जाता है तथा उक्त खनिज परिवहन ठेका/नीलामी वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवशेष अवधि (21-01-2026 से 31-03-2026 तक) के लिए पुनः ई-नीलामी तिथि/कार्यक्रम निम्नानुसार नियत किया जाता है। उक्त ई0 नीलामी उ0प्र0 सरकारी गजट में दिनांक 05 अक्टूबर, 2013 को प्रकाशित उपविधि के प्राविधानों एवं दर संशोधित गजट दिनांक 07 जनवरी, 2023 के अनुसार एवं खनिज परिवहन शुल्क की वसूली शासनादेश संख्या-623/33-2-2018-114जी/2008 टी0सी0 पंचायतीराज अनुभाग-2 दिनांक 15 फरवरी, 2018 के अनुसार की जायेगी।

आयुक्त महोदय, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा द्वारा अनुमोदित खनिज परिवहन शुल्क वसूली सम्बन्धी संशोधित उपविधि शासकीय गजट दिनांक 07 जनवरी 2023 के द्वारा नव निर्धारित / संशोधित शुल्क के अनुसार बालू, मोरम, रेत, अन्य खनिजो गिट्टी, कोयला, बजरी, भस्सी, खारों से निकलने वाली मिटटी, बोल्डर, पत्थर सुरखी एवं चूना, सिलकासेण्ड-समस्त स्वीकृत पट्टे जनपद-चित्रकूट एवं गिट्टी / भरसी उद्गम स्थल समस्त स्टोन क्रेशर जनपद-चित्रकूट से परिवहन करने वाले वाहनों से शुल्क वसूली सम्बन्धी ठेका की नीलामी हेतु ई0 नीलामी (ऑक्शन) पोर्टल http://eauction.gov.in पर इच्छुक व्यक्तियों / फर्मो द्वारा प्रतिभाग किया जा सकता है। ई0 नीलामी (ऑक्शन) हेतु सरकारी न्यूनतम बोली मु0-54,50,000/- रूपये (चौवन लाख पचास हजार रूपये) नियमानुसार निर्धारित की गयी है। ई-नीलामी (ऑक्शन) की समय सारिणी का विवरण निम्नवत् है:-

क्र0 सं0	गतिविधि	दिनांक	समय
1	ई-नीलामी के प्रकाशन की तिथि	05-01-2025	पूर्वान्ह 10:00 बजे
2	दस्तावेज अपलोड / प्रारम्भ करने की तिथि	05-01-2025	पूर्वान्ह 10:00 बजे
3	दस्तावेज अपलोड/भुगतान करने की अंतिम तिथि	13-01-2026	सायं 05:00 बजे
4	दस्तावेजों के तकनीकी परीक्षण की प्रारम्भ तिथि	14-01-2026	पूर्वान्ह 10:00 बजे
5	दस्तावेजों के तकनीकी परीक्षण की अंतिम तिथि	15-01-2026	सायं 05:00 बजे
6	ई-नीलामी की प्रारम्भ तिथि	16-01-2026	पूर्वान्ह 10:00 बजे
7	ई-नीलामी की अंतिम तिथि	16-01-2026	सायं 04:00 बजे

http://eauction.gov.in पर उपलब्ध रहेगा तथा http://eauction.gov.in पर ही Submit किया जा सकेगा। उक्त ई-नीलामी (ऑक्शन) अभियन्ता, वित्तीय परामर्शदाता तथा अपर मुख्य अधिकारी द्वारा सम्पादित करायी जायेगी। निविदादाता को नीलामी फार्म मूल्य मु0 10,000/- रूपये (दस हजार रूपये) एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 मु0 1800/- (एक हजार आठ सौ रूपये) तथा कस्टमाइजेशन शुल्क मु0-5000.00 रूपये (पांच हजार रूपये) इस प्रकार कुल मु0 16,800/- रूपये एवं ई-नीलामी (ऑक्शन) की धरोहर / जमानत धनराशि मु0-25,00,000/- (पच्चीस लाख रूपये मात्र) डी0डी0/ इन्टरनेट बैंकिंग / NEFT/RTGS के माध्यम से बैंक ऑफ बडौदा, शाखा कर्वी में संचालित जिला पंचायत, चित्रकूट (उ0प्र0) के जिला निधि बचत खाता संख्या-33510100011743 IFSC-BARBOCHITRA में जमा करना अनिवार्य होगा। ऑनलाइन उपरोक्तानुसार जमा रसीद या ट्रांजेक्शन नम्बर स्कैन कर तकनीकी बिड के साथ अपलोड करना तथा मूल प्रति कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। बोलीदाता को जिलाधिकारी स्तर से निर्गत वैध चरित्र व हैसियत (पच्चीस लाख या उससे अधिक) प्रमाण पत्र की स्कैन कापी, पैन कार्ड, आधार कार्ड की स्कैन कापी ई-नीलामी फार्म के साथ संलग्न करना तथा मूल प्रति कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। ई0 नीलामी (ऑक्शन) से सम्बन्धित शर्ते उपरोक्त पोर्टल http://eauction.gov.in तथा www.chitrakoot.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा विस्तृत जानकारी जिला पंचायत, चित्रकूट कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं।

(सुधीर कुमार)
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, चित्रकूट (उ0प्र0)

(अशोक कुमार)
अध्यक्ष
जिला पंचायत, चित्रकूट (उ0प्र0)

एडीओ केबी सिंह का सेवानिवृत्ति पर स्वागत करते हुए। अमृत विचार

सम्मान और विदाई के साथ नववर्ष का स्वागत

संवाददाता ककवन

अमृत विचार। ककवन विकास खंड में नववर्ष के अवसर पर ब्लॉक प्रमुख किरनलता एवं उनके प्रतिनिधि विनय यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक के समस्त अधिकारियों ,कर्मचारियों, कार्यालय स्टाफ को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सामूहिक प्रीतिभोज का भी आयोजन हुआ। आयोजन का सबसे भावुक क्षण एडीओ केबी सिंह का सेवानिवृत्ति विदाई समारोह रहा। सहकर्मियों ने उनकी कार्यशैली और अनुशासन की सराहना की।

कार्यक्रम का निष्कर्ष यह रहा कि विकास की नींव कर्मचारियों के सम्मान से मजबूत होती है और कर्मों की विरासत पदों से कहीं अधिक स्थायी होती है।

बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई गलन घरों से बाहर निकलना हुआ दूभर

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में सर्दी का सितम रोजाना बढ़ता जा रहा है। जबरदस्त गलन के चलते अब लोगों का घरों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। शुक्रवार को भी सुबह से शाम तक सूरज के दर्शन नहीं हुए। बर्फीली हवाओं ने लोगों को कंपा दिया। सर्दी से बचाव के लिए लोगों को आग का सहारा लेना पड़ा। ठंड के चलते जीटी रोड समेत अन्य मार्गों पर सन्नाटा रहा।

पहाड़ी इलाकों में हो रहे हिमपात का असर मैदानी क्षेत्रों में साफ दिख रहा है। शुक्रवार सुबह से छाया घना कोहरा व चली ठंडी बर्फीली हवाओं ने लोगों को घरों में ही रहने को विवश कर दिया। मजबूरीवश घरों से बाहर निकले लोग सिर से पांव तक गर्म कपड़ों से लैस नजर आए। सुबह से शाम तक सूरज के दर्शन न हो पाने और धूप न निकलने से शाम 5 बजे के बाद जीटी रोड व अन्य मार्गों पर सन्नाटा छा गया।

वहीं चिकित्सकों ने ठंड के प्रकोप को देखते हुए लोगों से एहतियात बरतने की हिदायत दी है। सीएचसी प्रभारी डॉ. यशोवर्धन सिंह ने बताया कि मौसम के इस रुख को देखते हुए बच्चों व वृद्ध लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बताया कि किसी भी समस्या पर तत्काल अस्पताल पहुंचें।

ठंड से बचाव के लिए आग का सहारा लेते दुकानदार। अमृत विचार

खेल स्पर्धा

महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल स्थानीय बीआईसी मैदान पर खेला गया

राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट में फिरोजाबाद ने उन्नाव को हराया

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। स्पोर्ट्स क्लब बिल्हौर द्वारा आयोजित तृतीय स्वर्गीय मुन्नी देवी शुक्ला स्मृति ओपन राज्य कैश मनी प्रतियोगिता में शुक्रवार को महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। स्थानीय बीआईसी मैदान पर खेले गए इस रोमांचक मैच में फिरोजाबाद ने उन्नाव को 5 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी उन्नाव की टीम फिरोजाबाद की सटीक गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई। पूरी टीम 20 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर मात्र 92 रन ही बना सकी। उन्नाव की ओर से प्रियंका ने सर्वाधिक 27 रन, प्रियांशी ने 19 रन और आराधना ने 17 रनों का योगदान दिया। फिरोजाबाद की ओर से गेंदबाजी में तनु ने धारदार प्रदर्शन करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट झटके। उनका साथ देते हुए चंडिका ने 20 रन देकर 3 विकेट और मोनिका ने 22 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

93 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फिरोजाबाद की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। हालांकि उन्होंने 5 विकेट गंवाए, लेकिन मात्र 11 ओवरों में 93 रन बनाकर जीत सुनिश्चित कर ली। टीम की जीत में तनु कश्यप की शानदार 38 रनों की पारी का मुख्य योगदान रहा। इसके अलावा नेहा ने 13 और चंडिका ने 10 रन बनाए। उन्नाव की ओर से गेंदबाजी में इलैया ने 25 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सुष्मिता और वर्षा को 1-1 विकेट प्राप्त हुआ। ऑलराउंड प्रदर्शन (3 विकेट और 38 रन) के लिए फिरोजाबाद की तनु कश्यप को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार कस्तूरबा उन्नाव कॉलेज की खेल प्रशिक्षिका पूनम गुप्ता ने प्रदान किया।

क्रिकेट स्पर्धा की विजेता टीम को पुरस्कृत करते अतिथि। अमृत विचार

कमर्शियल क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की जीत

घाटमपुर। घाटमपुर में स्वर्गीय रामकृष्ण दीक्षित की स्मृति में आयोजित शोभिटाल कप में शुक्रवार को कमर्शियल क्रिकेट क्लब ने एके स्पोर्ट्स को हराया। कमर्शियल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 184 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कमर्शियल की तरफ से पहले खेलते हुए भव्य अग्रवाल ने 7 वें नंबर पर आकर सर्वाधिक 43 रन बनाए साथ में कृष्णा तिवारी ने 25 रनों का योगदान दिया। ए के क्रिकेट अकादमी की तरफ से अरहाम सिद्दीकी ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ए के क्रिकेट अकादमी मात्र 80 रन बनाकर आल आउट हो गई। ए के अकादमी की तरफ से सर्वाधिक 16 रन अव्यय पांडेय ने बनाए वहीं कमर्शियल क्रिकेट अकादमी की तरफ से शानदार बोलिंग का प्रदर्शन देखने को मिला। उनकी तरफ से नितिन और रणबीर ने तीन तीन विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच नितिन कुमार को डॉ भूपेंद्र सचान प्राचार्य (कैप्टन सुखवासी जनता महाविद्यालय) और दीपू पाठक द्वारा दिया गया। इस मौके पर शिवकरण सचान, बाबू, नृपेंद्र सचान, अनिल तिवारी आदि उपस्थित रहे।

जो चीज आप सच में मानते हैं, वही होती है, और किसी चीज पर विश्वास ही उसे घटित करवाता है।

-फ्रैंक लॉयड राइट

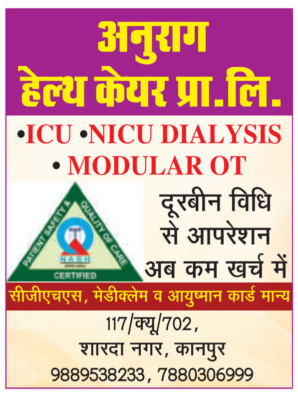

अनवरगंज से मंधना एलिवेटेड रेल ट्रैक भूमि अधिग्रहण को 35.87 करोड़ मिले

राज्यपाल ने धनराशि अवमुक्त की, लोक निर्माण विभाग को समय सीमा के भीतर अधिग्रहण के निर्देश

विकास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नए साल पर पहली बड़ी खुशखबरी फर्रुखाबाद रेलवे लाइन पर अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड ट्रैक को लेकर आई है। इस ट्रैक के निर्माण के लिए अधिग्रहीत की जाने वाली भूमि के लिए राज्यपाल ने 35.87 करोड़ रुपये अवमुक्त कर दिए हैं। भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गयी है। इस कदम से अब जल्दी ही देश के सबसे लंबे एलिवेटेड रेल ट्रैक का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद बलवती हो गई है। अभी सबसे लंबा पांच किमी लंबा एलिवेटेड रेल ट्रैक हरियाणा के रोहतक में है।

17 एकड़ भूमि का होगा अधिग्रहण: प्रदेश शासन के विशेष सचिव अमित आसेरी ने प्रमुख अभियंता (विकास एवं विभागाध्यक्ष) लोक निर्माण विभाग को जानकारी दी है कि राज्यपाल द्वारा मंधना-अनवरगंज एलिवेटेड रेल ट्रैक निर्माण में भूमि अधिग्रहण के लिए संशोधित धनराशि 35.87 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। इसी के साथ विशेष सचिव ने निर्देशित किया है कि समय सीमा के अंदर अधिग्रहण कार्य पूरा किया जाए।

अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड ट्रैक के लिए 22,306 वर्ग मीटर यानी 17 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

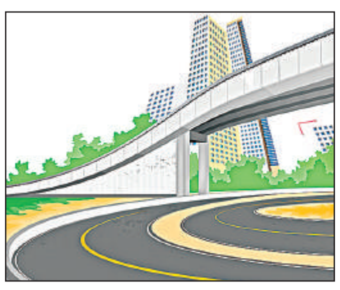

15.51 किलोमीटर लंबाई

1115 करोड़ रुपये लागत

उद्देश्य **18** रेलवे क्रासिंग होंगी खत्म

लाभ **50** लाख लोगों को जाम से निजात

- देश के सबसे लंबे एलिवेटेड रेल ट्रैक का निर्माण कार्य अब जल्दी ही शुरू होने की उम्मीद परवान चढ़ी

रावतपुर व कल्याणपुर स्टेशन बन जाएंगे इतिहास

अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड ट्रैक का काम शुरू होने पर अभी मौजूद दो स्टेशन रावतपुर और कल्याणपुर इतिहास बन जाएंगे। दोनों स्टेशनों पर ट्रेनों का परिचालन बंद हो जाएगा। पूरी परियोजना दो वर्षों के भीतर पूरी करने का लक्ष्य है। इस दौरान रेल यातायात मंधना से संचालित होगा। रूट की 60 से अधिक ट्रेनें वैकल्पिक रेलमार्ग से चलाई जाएंगी।

अटल बिहारी स्टेशन के लिए 52 करोड़ स्वीकृत

- रावतपुर और कल्याणपुर स्टेशन समाप्त होने पर इनके बदले छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के सामने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से स्टेशन बनाया जाना है, जिसके लिए 52 करोड़ रुपये स्वीकृत किये जा चुके हैं। यह स्टेशन कृषि विभाग की जमीन पर बनेगा और कानपुर मेट्रो से जुड़ेगा। अटल बिहारी स्टेशन को मेट्रो के यूनिवर्सिटी और एसपीएम स्टेशनों से स्काईवॉक के माध्यम से जोड़ने की योजना बनी है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

समानांतर एक और ट्रैक की जगह छोड़ी जाएगी

- फर्रुखाबाद रेलमार्ग पर शहर का मंधना तक विस्तार होने के कारण 18 रेलवे क्रासिंग सुगम यातायात में नासूर बन चुकी हैं। इस रेलमार्ग पर प्रतिदिन 60 से अधिक ट्रेनें गुजरती हैं। इस दौरान क्रासिंग के फाटक बंद करने से भीषण जाम लगता है। इसी समस्या के समाधान के लिए एलिवेटेड ट्रैक बनाने का फैसला हुआ है। भविष्य में इसके समानांतर एक और ट्रैक बनाने की जगह छोड़ी जाएगी।

15 लाख से अधिक वाहनों की रोज आवाजाही

- एलिवेटेड रेल ट्रैक की लागत 1115 करोड़ रुपये है। यह परियोजना करीब 50 लाख लोगों को यातायात जाम से निजात दिलाएगी। इसके लिए सबसे पहले वर्ष 2004 में आवाज उठी थी। रेलवे के सर्वे में इन सभी क्रासिंग पर 15 लाख से अधिक वाहनों की प्रतिदिन आवाजाही मिली थी, जिसे रेलवे ट्रेन व्हीकल यूनिट (टीवीयू) कहता है।

मरीज की मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सही से देख-रेख न होने और गलत तरीके से टांके लगाने का आरोप लगाया

अमृत विचार। जीएसवीएसएस पीजीआई में इलाज के बाद ब्रेन कैंसर ग्रस्त महिला की घर में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही की गई। ऑपरेशन के दौरान ठीक से टांके तक नहीं लगाए गए। जीएसवीएसएस पीजीआई प्रशासन का कहना है कि ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत में सुधार हुआ था, लेकिन तीमारदार जबरदस्ती मरीज को अस्पताल से ले गए और उन्होंने खुद स्वेच्छा से कागज पर ले जाने की बात स्वीकार की है।

बेनाझाबर निवासी प्रभावती (57) के सिर का ऑपरेशन जीएसवीएसएस पीजीआई में कुछ दिन पहले किया गया था। मरीज के बेटे दीपक का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने काफी लापरवाही बरती। सिर में लगे टाकें तक सही से नहीं लगाए। ऑपरेशन के बाद मां को आईसीयू में रखा गया। यहां पर मां की हालत में सुधार न आने और स्थिति खराब होने पर मौजूद स्टाफ को बुलाया, लेकिन वह नहीं आए। बात को अनसुना किया गया। सही से देखभाल और इलाज न मिलने पर परिजन मां को घर ले गए। शुक्रवार दोपहर उनकी मौत हो गई। बताया कि ऑपरेशन के बाद मां के टांके किस कदर खुले थे, इसकी फोटो व वीडियो परिजनों के पास है। परिजनों ने हैलट अस्पताल के एक अधिकारी से शिकायत की। अधिकारी के मुताबिक तीमारदार ने लिखित रूप से कोई शिकायत नहीं की है। अस्पताल के छुट्टी वाले कागजात में परिजनों ने पूरी जिम्मेदारी खुद लेते हुए स्वेच्छा से मरीज को अस्पताल से घर ले जाने का जिक्र किया है।

जीएसवीएसएस पीजीआई के नोडल डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि ब्रेन कैंसर का ऑपरेशन होने के बाद महिला ठीक होने लगी थी, लेकिन झटके आने पर उनको आईसीयू में रखा गया। तभी मरीज के साथ मौजूद उनके परिजन छुट्टी की जिद करने लगे। उनको कई बार वेंटिलेटर पर इलाज का हवाला दिया गया, लेकिन वह नहीं माने और अपनी मर्जी से कागजात पर स्वेच्छा से मरीज को ले जाने का जिक्र करने के बाद अपने साथ उन्हें ले गए।

शहर में आज

- **वितरण :** मेगा मॉल ऑनर्स एसोसिएशन की ओर से चाय वितरण लखनऊ फाटक दोपहर 12 बजे
- श्री अग्रसेन जयंती समिति की ओर से गर्म कपड़ों का वितरण बिरहाना रोड पर शाम 4:30 बजे।
- **धार्मिक आयोजन :** झगड़ेश्वर महादेव मंदिर जूही में सुंदरकांड का आयोजन सुबह 11 बजे।

48 बोतल शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी ने 48 बोतल शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर 1 पर स्थित पार्सल साइड कूड़ाघर के पास चेकिंग के दौरान आदिल निवासी कालपी को गिरफ्तार किया गया। 48 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गयी।

टेनरी बंद, नाले टैप तो ये क्या है "सरकार"?

जिलाधिकारी महोदय देखिए माघ मेला माह में बंदी के दौरान टेनरी से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी व टैप नालों से सीवरेज पानी गंगा नदी में गिर रहा है। गंगाजल दो रंग का दिख रहा। एक जो गंगा का वास्तविक रंग मिट्टी जैसा है तो दूसरा काला रंग जो टेनरी से निकला केमिकल युक्त पानी की वजह से है। सरकार ने माघ मेला माह में गंगा स्नान के लिए 31 दिसंबर 2025 से 03 जनवरी 2026 तक टेनरी की बंदी का फरमान जारी किया था पर गंदा पानी गंगा में जा रहा है।

कर्ज से परेशान टाइल्स कारीगर ने दे दी जान

कानपुर। कैंट में कर्ज के तगादे से परेशान टाइल्स कारीगर ने शुक्रवार दोपहर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मैकूपुरवा निवासी 45 वर्षीय बाबूराम निषाद टाइल्स कारीगर थे। बाबूराम के कोई संतान नहीं है और पत्नी अनीता तीन साल से अपने मायके घाऊखेड़ा में रह रहीं हैं। भतीजे रवि निषाद ने बताया कि चाचा इस समय एक जगह टाइल्स का काम कर रहे थे, लेकिन शुक्रवार को वह काम पर नहीं पहुंचे। इस पर वहां से फोन आया तो वह चाचा को देखने उनके घर पहुंचे।

मुख्य दरवाजा बंद न होने के कारण वह अंदर पहुंचे तो कमरे में पंखे के कुंडे से शव लटका देखा। रवि ने बताया कि चाची ने होटल-रोस्टोरेंट का संचालन किया था। जिसके लिए काफी कर्ज लिया था। बाबूराम टाइल्स का करके धीरे-धीरे कर्ज उतार भी रहा था, लेकिन रोज-रोज तगादगीर उसे परेशान करते थे। जिससे वह परेशान हो चुका था। तगादे से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

पास करने का झांसा दे कथित क्लर्क ने ठगे 28 हजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 14-14 हजार की दो किस्त लेकर थमा दी फर्जी मार्कशीट, विरोध पर धमकाया
- थाने में सुनवाई न होने पर पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर से लगाई गुहार, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। बाबूपुरवा में सीएसजेएमयू के कथित क्लर्क ने छात्रा को प्रैक्टिकल में अच्छे नंबरों से पास कराने का झांसा देकर 28 हजार रुपये ऐंठ लिए। फिर कूटरचित मार्कशीट भी बनवाकर दे दी। जांच में मार्कशीट फर्जी निकली तो छात्रा के भाई ने शिकायत की। इस पर आरोपी ने धमकाया। थाने में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

किदवईनगर वाई-वन ब्लाक निवासी अनुष्का द्विवेदी के अनुसार उनकी मां अस्वस्थ हैं, जिनका पीजीआई में इलाज चल रहा है। इसी के कारण 2022-23 की बीए तृतीय वर्ष की प्रैक्टिकल परीक्षा छूट गई थी।

उसी सिलसिले में मार्च 2023 में अपने भाई शिखर के साथ किदवईनगर महिला महाविद्यालय पीजी कालेज गई थीं। जहां उनकी मुलाकात बाबूपुरवा निवासी ललित अवस्थी से हुई। उन्होंने खुद को सीएसजेएमयू का क्लर्क बताते हुए कहा कि जुगाड़ लगाने से साल बर्बाद नहीं होगा। लेकिन इसके लिए 28 हजार रुपये का खर्च आएगा। परेशानी बताने पर कहा कि पैसा दो किस्तों में दे दो। 18 मार्च 23 को पहली किस्त 14 हजार रुपये व जरूरी कागजात भी दे दिए। जब बीए तृतीय वर्ष की परीक्षा नजदीक आई तो ललित अवस्थी से प्रवेश पत्र मांगा। इस पर आरोपी ने बकाया चौदह हजार रुपये की मांग की। वह रकम भी दी। इसके बाद आरोपी का मोबाइल बंद हो गया। प्रवेश पत्र न मिल पाने से अनुष्का परीक्षा नहीं दे सकी। बाद में आरोपी ने भरोसा दिलाया कि बिना परीक्षा के ही पास करवा देगा।

पुलिस से शिकायत की बात कहने पर आरोपी बीती 29 अगस्त को एक मार्कशीट दी, जो जांच में फर्जी निकली। जब पीड़िता का भाई आरोपी के घर पहुंचा तो उसकी पत्नी व बेटी ने अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी अरुण द्विवेदी ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच की जा रही है।

नगर निगम में जोनवार लगाए जाएंगे जनशिकायत समाधान शिविर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महापौर ने शिकायत से समाधान नाम से विशेष शिविर लगाए जाने के निर्देश दिए
- नगर निगम, जलकल, उद्यान, पशु विभाग, मार्ग प्रकाश आदि के अधिकारी मौजूद रहेंगे

अमृत विचार। महापौर प्रमिला पांडेय ने जनता की शिकायतों के समाधान के लिए जोनल कार्यालयों में 'शिकायत से समाधान' तक विशेष शिविर लगाये जाने के लिए निर्देश दिए हैं। इस संबंध में नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में महापौर ने कहा है कि नागरिकों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए सभी जोनल कार्यालयों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाना है। इस तरह के शिविर में संबंधित जोन के अपर नगर आयुक्त, महाप्रबन्धक जलकल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य अभियन्ता सिविल, प्रभारी अधिकारी विज्ञापन, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उद्यान अधीक्षक, प्रभारी मार्ग प्रकाश, संबंधित जोनल अधिकारी तथा जोनल अभियंता तथा जोनल स्वच्छता अधिकारी का उपस्थित रहना सुनिश्चित किया जाए। महापौर ने पत्र में शिकायत से समाधान तक विशेष शिविर के आयोजन हेतु जोनवार कार्ययोजना बनाने, शिविर के लिए स्थल का निर्धारण करते हुए तिथियां निर्धारित करने को कहा है, ताकि इन विशेष शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराकर जनता की शिकतायतों और समस्याओं का प्रथामिकता पर समाधान किया जा सके।

शिक्षणेत्तर कर्मियों ने की बैठक

कानपुर। उत्तर प्रदेश शिक्षणेत्तर कर्मचारी एसासिएशन की बैठक शुक्रवार को आयोजित हुई। बैठक के दौरान एसोसिएशन के महामंत्री ने पुरानी पेंशन सहित अन्य मांगों पर अभियान तेज करने की बात कही। इसके अलावा बैठक में यह भी कहा गया कि शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की हर विद्यालय में समस्याएं हैं, जिन्हें भी अभियान चलाकर संकलित कर उनका निराकरण कराए जाने पर भी अभिया चलाया जाएगा।

कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र विजेताओं के लिए शासन से 7. 15 लाख मिले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर नगर के वीरों के नाम दर्ज हैं शौर्य और वीरता की गाथाएं
- जिले में 10 अलंकरण प्राप्त वीरों का नाम है

अमृत विचार। जनपद के एक कीर्ति चक्र विजेता और नौ शौर्य चक्र विजेताओं को राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य वार्षिकी धनराशि प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गई है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं।

शासन की एलॉटमेंट ग्रिड रिपोर्ट के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद कानपुर नगर के लिए कुल 7 लाख 15 हजार रुपये का आवंटन स्वीकृत किया गया है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि एक ही जिले से दस अलंकरण प्राप्त वीरों का होना कानपुर नगर को देश के उन गिने-चुने जिलों में शामिल करता है, जहां सैन्य सम्मान का ऐसा व्यापक प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है।

मेजर भदौरिया के परिजनों को 1.30 लाख

- सूची के अनुसार कीर्ति चक्र विजेता शहीद मेजर अविनाश सिंह भदौरिया के परिजन को वार्षिकी के रूप में 1 लाख 30 हजार रुपये प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गई है। शौर्य चक्र से सम्मानित मेजर सुनील यादव, शहीद मेजर सलमान अहमद खान के परिजन, कर्नल बाबूराम कुशवाहा, कारपोरल अमर कुमार वाजपेयी, लेफ्टिनेंट अभिनव त्रिपाठी, कैप्टन आदित्य प्रकाश सिंह, जय प्रकाश शर्मा, आसित कुशवाहा तथा मास्टर वारंट ऑफिसर (एचएफएल) स्वर्गीय केशव नाथ उपाध्याय के आश्रितों को 65 हजार रुपये तक की वार्षिकी स्वीकृत की गई है।

माघ मेला

प्रयागराज के लिए कई जगह से लगाई गईं कानपुर की बसें

झकरकटी से हर 10 मिनट में प्रयागराज की बस मिलेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बस अड्डा से 24 घंटे बसों का संचालन, अतिरिक्त ड्यूटी लगी
- दूसरे जिलों की 700 से अधिक बसें भी गुजरेंगी

अमृत विचार। माघ मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए परिवहन निगम ने शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा से 24 घंटे बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। ये बसें हर 10 मिनट में उपलब्ध हैं। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए परिवहन निगम ने अधिकारियों एवं कर्मियों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई है।

शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा से प्रतिदिन 270 विशेष बसों का संचालन शुरू किया गया है। इसके अलावा 700 से अधिक दूसरे जिलों की बसें भी कानपुर होते हुए चलने लगी हैं। ये बसें 24 घंटे बस अड्डे पर उपलब्ध हैं। झकरकटी बस अड्डा के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी ने बताया कि बस अड्डे पर रैन बसेरा की व्यवस्था भी की गई है।

झकरकटी बस अड्डे पर खड़ी बसें। फाइल फोटो

श्रद्धालुओं के लिए ट्रेनों को ठहराव : रेलवे ने माघ मेला को देखते हुई प्रयागराज स्टेशन पर 1 जनवरी से 20 फरवरी 2026 तक के लिए कई ट्रेनों का ठहराव दिया है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि ट्रेन संख्या 22969 ओखा - वाराणसी एक्सप्रेस, 20416 इंदौर -वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12539 यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस, 12382 पूर्वा एक्सप्रेस, 12165 लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस, 22183 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, 11059 छपरा एक्सप्रेस, 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, 22103 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस आदि प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं।

कोहरे का सितम: शाम की ट्रेन आधी रात को पहुंची, वीआईपी ट्रेनें भी लेट

- कोहरे के कारण 100 से अधिक ट्रेनें अपने समय से भटकी रहीं। नई दिल्ली-राजेंद्र नगर राजधानी एक्सप्रेस 11 घंटे बाद कानपुर पहुंची। इसी तरह कई ट्रेनें शाम के बजाए देर रात कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंची। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर सुबह 9.26 बजे आती है लेकिन ये गाड़ी सुबह 11.15 बजे आई। इसी तरह दूसरी वंदेभारत रात 1.18 बजे कानपुर आई। श्रमशक्ति एक्सप्रेस दिल्ली से सुबह 6:20 बजे के बजाय सुबह 10:57 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंची।

माघ मेला पर स्टेशन की चौकसी बढ़ी

- सेंट्रल स्टेशन पर माघ मेला पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। फुटओवर पर भीड़ को देखते हुए किसी भी यात्री को सोने या बैठने की इजाजत नहीं है। आरपीएफ के सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। इसी प्रकार जीआरपी की टीम 24 घंटे स्टेशन व आसपास गश्त कर रही है।

सीएसजेएमयू का परीक्षाफल घोषित

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के पांच पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल शुक्रवार की शाम को घोषित किया गया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया सम्बद्ध महाविद्यालयों के पांच पाठ्यक्रमों (बीसीए प्रथम, तृतीय, पंचम व एमए. प्रथम व तृतीय) की सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। शेष पाठ्क्रमों का परीक्षाफल शीघ्र घोषित किया जायेगा। सम्बन्धित छात्र, छात्रायें स्वयं समर्थ पोर्टल पर लॉगिन कर परीक्षाफल देख सकते हैं।

सिटी ब्रीफ

धोखाधड़ी के आरोपियों पर 82 की कार्रवाई

कानपुर। नजीराबाद थाने में दर्ज मुकदमें में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी कौशलपुरी निवासी महेंद्र पाल सिंह सेठी व सतविंदर सिंह सेठी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई शुरू की है। कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के मकान पर कोर्ट की नोटिस चस्पा की गई और ढोल बजाकर मुनादी भी कराई गई। विवेचक के अनुसार अभियुक्तों के गिरफ्तारी वारंट कोर्ट से जारी कराए थे, लेकिन वारंट तामील न होकर वापस आ गए। आरोपी फरार हैं और खुद को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए धारा 82 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत यह उद्घोषणा हुई। अभियुक्त इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष उक्त मुकदमे के संबंध में अपना पक्ष रखे। उपस्थित न होने की दशा में विधि अनुसार कार्यवाही की जाएगी। जिसमें 83 के तहत संपत्ति कुर्की की कार्यवाही भी हो सकती है।

आशुतोष कुमार बने एडीजी, दिनेश त्रिपाठी बने एसएसपी

कानपुर। पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने पुलिसकर्मियों को नए साल का संदेश दिया। वहीं संयुक्त पुलिस कमिश्नर से एडीजी बने आशुतोष कुमार और एसएसपी बने दिनेश त्रिपाठी के कंधों पर नई रैंक लगाई गई। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने दोनों अधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके बाद 2026 का संदेश देते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा कि साल की शुरुआत पुलिसिंग के क्षेत्र में सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता का संकल्प लेते हुए की जाए। कहा, महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा प्राथमिकता पर होनी चाहिए। अधिकारी अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाए रखें। तनावमुक्त होकर क्राइम कंट्रोल पर काम करें। पुलिस कर्मियों से अनुशासन, इमानदारी और जनसेवा का मूलमंत्र दिया।

मोतीझील में सरस आजीविका मेला कल से

कानपुर। ग्रामीण संस्कृति, स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण को समर्पित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सरस आजीविका मेला 4 जनवरी से 6 जनवरी 2026 तक मोतीझील लॉन संख्या–2 में आयोजित होगा। तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्पादों के विपणन और बिक्री के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ आत्मनिर्भरता को मजबूती मिल सके। मेले का उद्घाटन 4 जनवरी को अपराह्न 1 बजे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

नहीं थम रही बगावत, अब कोर्ट-कचहरी की नौबत

महापौर समर्थक पार्षदों ने एकत्र होकर दिखाई ताकत, नहीं पहुंचे निलंबित पार्षद, विरोधियों ने पार्टी नेताओं से की शिकायत

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा के दोनों सांसदों और फिर एससीएससी आयोग के सदस्य के बाद छह पार्षदों ने महापौर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इससे शहर का सियासी माहौल बेहद गर्म है। शुक्रवार को महापौर प्रमिला पांडे के समर्थक पार्षदों ने नए साल की शुभकामना के बीच उनकी तारीफ में गीत गए और नारे लगाए। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। मेरी अम्मा-मेरी अम्मा के उद्घोष के बीच एक भाजपा पार्षद ने गीत गया, ओ मां तू कितनी अच्छी है, कितनी भोली है, प्यारी प्यारी है ओ मां ओ मां। साथ ही काहे पड़े हो चक्कर में, कोई नहीं है टककर में.. जैसे नारे भी जमकर लगाए जा रहे हैं। इसमें भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, नीरज वाजपेई और पप्पू पांडे सहित कई पार्षद नज़र आ रहे हैं। इसे महापौर प्रमिला पांडे खेमे का शक्ति प्रदर्शन बताया जा रहा है। हालांकि महापौर ने इसे नए साल में पार्षदों से मिलना-जुलना बताया और कहा कि सब मिलकर काम करेंगे। हर तरफ विकास कार्य करवाएंगे। कोई भेदभाव का सवाल नहीं है।

मेयर विरोधी छह पार्षद इस मौके पर नहीं दिखे। बीते दिनों नगर निगम में मेयर और उनके पुत्र बंटी पांडे के खिलाफ भेदभाव का आरोप जड़ने वाले भाजपा पार्षद पवन गुप्ता का कहना है कि हम जनता के प्रति जवाबदेह हैं, लेकिन ज़ब क्षेत्र में काम ही नहीं करवा पाएंगे तो पार्टी का ही तो नुकसान होगा। हमने अपनी बात पार्टी फोरम में रखी है और फैसले का इंतजार है। अगर न्याय नहीं मिला तो प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व से गुहार लगाएंगे, लेकिन मुद्दे को छोड़ेंगे नहीं।

सूत्र बताते हैं कि निलंबित किए गए एक पार्षद अदालत जाने की तैयारी में हैं। उनका तर्क है कि बिना किसी नोटिस और जवाब के एकतरफा कार्रवाई कर दी गई। पार्षद विकास जायसवाल ने कहा कि अगर कोई संतोषजनक फैसला नहीं होता है तो फिर रणनीति तय करेंगे। सूत्र बताते हैं कि सियासी गर्मी के पीछे सीसामऊ क्षेत्र में हुए उपचुनाव भी हैं। विरोधी मोर्चे के एक पार्षद कहते हैं कि उपचुनाव में हार का कारण गुटबाजी ही थी।

महापौर ने पार्षदों के साथ बैठक की। अमृत विचार

- दोनों सांसदों के बाद अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के सदस्य कुंडे और अब छह पार्षदों ने मेयर के खिलाफ खोला मोर्चा, ऑडियो और वीडियो से जवाब दिए जा रहे

ये रहे विवाद के कारण

■ ब्रजेन्द्र स्वरूप पार्क में मंगल भवन निर्माण के बाद सांसद रमेश अवस्थी और देवेंद्र सिंह भोले ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। नगर निगम सदन में कुछ भाजपा पार्षदों ने महापौर पर भेदभाव के आरोप लगाए तो उन्हें निलंबित कर दिया गया। इसके पहले अनुसूचित जाति–जनजाति आयोग के सदस्य ने भी महापौर पर अपमान और नगर निगम में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

मैं अडिग हूं, मंगल भवन मामले की जांच हो रही है

■ **कानपुर।** सांसद रमेश अवस्थी का कहना है कि मंगल भवन के निर्माण और इसकी संचालन समिति में घोर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुआ है और इसकी शिकायत पर बड़े स्तर पर जांच भी हो रही है। मेरी महापौर या किसी से भी कोई निजी अदावत नहीं है, लेकिन जहां भ्रष्टाचार होगा, वहां आवाज जरूर उठाऊंगा। मंगल भवन में भारी अनियमितता हुई है। मंगल भवन का संचालन नगर निगम ही करे। इससे निजी संस्था और बाहरी लोगों को हटाया जाए।

हंगामा करने की साजिश थी

■ इनकी तो हंगामा करने की साजिश थी। अंकित मौर्य और उनके साथ कुछ पार्षद तय करके आए थे कि हंगामा करना है, वरना उनके हाथों में तख्तियां क्यों होतीं। भेदभाव का आरोप बिल्कुल गलत है। अनुशासनहीनता कब तक बर्दाश्त की जाए।

–नवीन पंडित नेता, भाजपा पार्षद दल

इस साल सब ठीक हो जाएगा

■ अरे, कहीं कोई दिक्कत नहीं है। इस साल सब ठीक हो जाएगा। बीती बातों को जाने दीजिये, साल गया बात गई। अब 2026 में सब ठीक हो जाएगा। पार्टी स्तर पर सब देखा जा रहा है।

–प्रकाश पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष, भाजपा

तीन दिन बाद बैठक करेंगे

■ पूरा मामला संज्ञान में है। सभी लोगों से बात हुई है। अभी पार्टी के कुछ बड़े कार्यक्रमों में व्यस्तता है। तीन दिन बाद हर पक्ष के साथ बैठक करेंगे और फिर जनहित और पार्टीहित में फैसला लेंगे।

–अनिल दीक्षित अध्यक्ष, भाजपा उत्तर

अश्लील फोटो वायरल की धमकी देकर की वसूली

कानपुर। बजरिया में ग्यारहवीं की छात्रा से युवक ने इंस्टाग्राम से दोस्ती की। इसके बाद उसका अश्लील वीडियो बनाकर फोन पे के जरिए 4900 रुपये की वसूली की। छात्रा की मां ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीसामऊ क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 11वीं की छात्रा है। आरोप है कि बेटी की दो साल पहले इंस्टाग्राम पर प्रिंस पटेल नामक लड़के से दोस्ती हुई। उस दौरान दोनों वीडियो कॉल पर बात करते थे। आरोपी ने नाबालिग बेटी को बहलाकर उसका अश्लील वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया था। फरवरी 2025 में प्रिंस ने उनके पति को कॉल कर बेटी का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर बदनाम करने की धमकी दी। बदले में 10 हजार रुपये की मांग की। वह लोग घबरा गए और चार जुलाई को प्रिंस पटेल के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन फोन पे से 1500, आठ जुलाई को 2500 और फिर 900 रुपये ट्रांसफर किए। आरोप है कि प्रिंस फिर फोन करके रकम लगातार देने का दबाव बनाता रहा। बीच-बीच में धमकी भी दी। बजरिया थाना प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि महिला ने तहरीर देकर प्रिंस पर जबरन वसूली, धमकाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

डिफेंस कर्मी के घर में लगी आग, ताले टूटे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिवार को अलीगढ़ छोड़ने गए थे डिफेंस कर्मी

अमृत विचार। अर्मापुर में डिफेंस कर्मी के बंद घर में संदिग्ध हालात में आग लग गई और लाखों का माल जल गया। मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखकर और सामान बिखरा होने से पीड़ित ने चोरी की आशंका जताई है। आरोप है कि चोरों ने ताला तोड़कर माल पार किया और फिर हादसा दिखाने के लिए आग लगाई है। पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

मूलरूप से अलीगढ़ निवासी दीपक कुमार दुबे ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में मशीनिस्ट हैं। परिवार में पत्नी किशोरी देवी और बच्चे दिव्यांश व तेजस हैं। दीपक पांच साल पहले नागपुर से ट्रांसफर होकर शहर आए हैं।

उन्होंने बताया कि उनका परिवार शहर आया था। बीती 25 दिसंबर को वह परिजनों को अलीगढ़ छोड़ने गए थे। छह दिन बाद एक जनवरी को वापस लौटे तो नाइट ड्यूटी के चलते फैक्ट्री चले गए। शुक्रवार सुबह ड्यूटी से घर पहुंचने पर मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। कुछ गृहस्थी का सामान भी बाहर तक बिखरा पड़ा था। अंदर जाकर देखा तो घर में रखा सारा सामान जला मिला। बाइक भी आग की चपेट में आई थी। दीपक के अनुसार बच्चों की गुल्लक में रखे पांच हजार रुपये, दो सोने के बाले, चांदी के सिक्के, बाइक व अन्य सामान जल गया है। फ्रीज, टीवी, सोफे, ड्रेसिंग टेबल समेत लगभग सभी घरेलू सामान जला है। अर्मापुर थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने बताया कि पीड़ित चोरी का आरोप लगा रहे हैं। इसकी जांच कराई जाएगी।

सफाई कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण समिति गठित

कानपुर। नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए स्वच्छता से जुड़े कर्मचारियों के कार्यगत जुड़ाव तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध समाधान के लिए स्थानांतरण समिति का गठन किया गया है। अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव की अध्यक्षता में गठित यह समिति स्थायी, संविदा तथा आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के स्थानांतरण से संबंधित मामलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता सुनिश्चित करेगी। इस समिति में मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी, संबंधित जोन के नगर स्वास्थ्य अधिकारी, प्रभारी अधिकारी कार्मिक शामिल रहेंगे। समिति का उद्देश्य यह देखना होगा कि किसी भी सफाई कर्मचारी का अनावश्यक स्थानांतरण न किया जाए तथा ऐसे निर्णय में कर्मचारी के हित और परिस्थितियों का ध्यान रखा जाए।

हर्षनगर कार बाजार की अराजकता से जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हर्षनगर में कार श्रृंगार के लिए दर्जनों दुकानें हैं, यहां सड़क भी काफी चौड़ी है लेकिन वाहनों को बीच सड़क पर घंटों खड़ा किया जाता है जिसके कारण बजरिया थाना तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रहती है। शुक्रवार को इस बाजार के पास वाहनों के बीच सड़क पर होने के कारण भीषण जाम लगा रहा।

बजरिया से हैलट हास्पिटल की ओर आने वाले मुख्य मार्ग पर लाखों वाहनों का आवागमन है। ईदगाह चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी लगी रहती है और इस चौराहे से चंद कदम की दूरी पर हर्षनगर श्रृंगार बाजार है। यहां दर्जनों वाहनों का बीच सड़क पर ही श्रृंगार होता रहता है।

शुक्रवार की शाम को जरीब चौकी से घंटाघर जाने वाले मार्ग पर भन्नाना पुरवा तिराहा, चन्दिका देवी चौराहा, डिप्टी पड़ाव चौराहा, कोपरगंज तक वाहन उलझे रहे। डिप्टी पड़ाव पर भीषण जाम के चलते तमाम लोगों ने दलेलपुरवा, टुकनिया पुरवा, आलम मार्केट, फहीमाबाद, हलीम चौराहा होते हुए निकलने की कोशिश किया तो ये मार्ग भी जाम हो गये। रुपम चौराहा से इफ्तिखाराबाद, लाटूशरोड होते हुए मूलगंज तक ई रिक्शों की अराजकता से हजारों वाहन उलझे रहे। बड़ा चौराहा, मेस्टन रोड, कोतवाली चौराहा तक भी ई रिक्शे मुसीबत बने रहे। बड़ा चौराहा से आईएमए हाल तक आधी से अधिक सड़क गर्म कपड़ों की बाजार में फंसी रही जिससे जाम की नौबत आई। इसी प्रकार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाम लगा।

हर्षनगर कार बाजार में लगा जाम। अमृत विचार

- बीच सड़क पर ही वाहनों को सजाने के लिए घंटों खड़ा रखते

बिना रेलवे एनओसी शुक्लागंज गंगापुल का काम शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शुक्लागंज की तरफ से सेतु निगम ने शुरू किया है पुल का निर्माण कार्य

अमृत विचार। शुक्लागंज गंगापुल का निर्माण सेतु निगम ने शुरू कर दिया है, लेकिन अभी तक रेलवे से एनओसी नहीं मिली है। एनओसी नहीं मिलने की वजह से कार्य धरातल पर पूरी तरह से नहीं उतर पा रहा है। इधर कानपुर साइड पर अभी तक रक्षा मंत्रालय से एनओसी नहीं मिली है। लेकिन सेतु निगम ने इस तरफ मिट्टी का परीक्षण और प्रारंभिक स्तंभ निर्माण की तैयारी जरूर शुरू कर दिए हैं।

कानपुर को उन्नाव से जोड़ने वाला शुक्लागंज गंगापुल का स्पैन 26 नवंबर को गिरकर नदी में समा गया, जिसके बाद शासन ने नए पुल के निर्माण को मंजूरी दी। नए शुक्लागंज पुल के निर्माण के लिए कंपनी फाइनल हो चुकी है और शुक्लागंज की तरफ निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है, लेकिन सेतु निगम के अधिकारियों को अभी तक रेल मंत्रालय से एनओसी नहीं प्राप्त हुई है। इसके अलावा अंतिम डिजाइन ड्राइंग को मंजूरी भी नहीं मिली है।

इस वजह से सेतु निगम के अधिकारियों को डर सता रहा है कि एनओसी मिलने में अगर देर हुई तो समस्या खड़ी हो सकती है और मैट्रेरियल बर्बाद हो सकता है। इधर कानपुर की साइड रक्षा मंत्रालय से एनओसी में देरी होने पर सेतु निगम ने जमीनी स्तर पर कार्य करना शुरू कर दिया है।

इस तरफ मिट्टी का परीक्षण और प्रारंभिक स्तंभ निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। ताकि जब एनओसी मिले तो निर्माण कार्य तेजी से बढ़ सके। बता दें कि नया शुक्लागंज गंगापुल पुराने पुल से करीब 50 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा।

यह पुल चार लेन का होगा, जो 26 पिलरों के सहारे टिका रहेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि नया शुक्लागंज पुल बनने से गोलाघाट की तरफ बने पुल पर यातायात का दबाव कम होगा।

वेंटिलेटर के अभाव में बच्चे की मौत

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में गुरुवार को अनवरगंज निवासी संदीप कुमार पत्नी तनु गौतम के साथ अपने करीब 15 दिन के बेटे को लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि बच्चे की हालत गंभीर होने पर भी कोई तवज्जो नहीं दिया। बच्चे को वेंटिलेटर की जरूरत थी, लेकिन उसे वेंटिलेटर नहीं मिल सका। बाल रोग अस्पताल के सीएमएस डॉ.विनय कटियार के मुताबिक वेंटिलेटर समिति हैं।

धमाके से हड़कंप, कार के शीशे टूटे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नववर्ष पर दैमार बम फोड़ रहे थे युवक, तेज आवाज होने पर डरकर भागे

अमृत विचार। गुजैनी में नए साल पर साड़ी शोरूम के बाहर बम फोड़ने से शोरूम मालिक की कार के शीशे चकनाचूर हो गए। पुलिस ने शोरूम का सीसीटीवी फुटेज खंगाला, जिसमें कैद तीनों संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की। पता चला कि मोहल्ले के ही दो युवक व एक किशोर नए साल पर दैमार बम फोड़ रहे थे। धमाका तेज होने से अफरातफरी मची। रंजिश या विवाद में बम फोड़ने ऐसी बात नहीं है।

गुजैनी एफ-ब्लॉक के रहने वाले अनुभव त्रिपाठी साड़ी का कारोबार करते हैं। मकान के ही नीचे हिस्से में उनका साड़ी शोरूम है। उन्होंने बताया कि एक जनवरी की शाम वह और कर्मचारी दुकान पर मौजूद थे। इसी बीच बाहर तेज धमाका हुआ। वह लोग शोरूम से बाहर निकले तो समीप ही खड़ी उनके कार के पास से धुंए का गुबार उठ रहा था। कार के शीशे चकनाचूर होकर गिर गए थे। पता चला कि तीन लोग आए और बम फेंककर भागे हैं। गोविंदनगर पुलिस ने शोरूम में लगा सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो तीनों भागते दिखे। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि तीनों में दो युवक व एक किशोर हैं और मोहल्ले की रहने वाले हैं। पूछताछ में पता चला कि नए साल पर तीनों दैमार बम फोड़ रहे थे, लेकिन धमाका तेज होने से डरकर भागे हैं। रंजिश या अन्य कोई मामला नहीं है।

गाली और नशेबाजी के विरोध पर युवती को छत से फेंका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शराब के नशे में गाली-गलौज व पथराव कर रहा था आरोपी
- रेलबाजार का मामला, पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार। रेलबाजार में युवक ने पड़ोसी पर नशेबाजी, गाली-गलौज, पथराव का आरोप लगाया। युवक का आरोप है कि उसकी हरकत का उसकी बहन विरोध करने पहुंची तो पड़ोसी ने उससे मारपीट कर उसे छत से नीचे फेंक दिया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बंगला नंबर 115 जीटी रोड निवासी राज गौतम के अनुसार उनके मकान के सामने सुरेंद्र कुमार रहता है, जो आएदिन शराब पीकर इलाके में गाली-गलौज व हंगामा करता है। आरोप है कि नशे में होने पर सुरेंद्र उनके मकान पर पथराव करता है। उसकी हरकतों से उसका परिवार और मोहल्ले के लोग भी परेशान रहते हैं। 31 दिसंबर की रात को भी आरोपी शराब छत पर हंगामा कर रहा था। छत पर खड़े होकर उसके परिजनों को गालियां दे रहा था। इसके बाद उनके मकान पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। यह देखकर उनका भाई रोहन व बहन रंजना उसके घर गए। छत पर पहुंचकर उसके पथराव करने से रोकना चाहा तो आरोपी ने दोनों से मारपीट की। रंजना को छत से नीचे फेंक दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पता चलने पर आनन-फानन में बहन को उर्सला में भर्ती कराया। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

गाली-गलौज के विरोध पर मां-बेटी को पीटा

■ **कानपुर।** चकेरी में पड़ोसी की गाली–गलौज का विरोध करने पर आरोपी ने मां–बेटी को मारापीटा। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। देवीगंज निवासी रानी के अनुसार 31 दिसंबर की रात को उनका पड़ोसी वेद प्रकाश उर्फ राहुल शराब के नशे में उनके घर के सामने गाली–गलौज करने लगा। इस पर वह और उनकी बेटी सेजल ने विरोध किया तो आरोपी ने दोनों को मारापीटा। धमकी देकर चला गया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

लापरवाही | परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पर किया हंगामा, सीएमओ को फोन करके जताई नाराजगी

गायब रहे पोस्टमार्टम डॉक्टर, ठंड से बेहाल परिजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पोस्टमार्टम में रखे रहे 17 शव, दो बजे एक डॉक्टर के आने पर शुरू हो सका काम
- ड्यूटी डॉक्टरों की लापरवाही से परेशान हुए कई जिलों से आए सैकड़ों लोग

अमृत विचार। ड्यूटी डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण शुक्रवार पोस्टमार्टम हाउस पर परिजन परेशान रहे। सुबह आठ बजे से डॉक्टरों के इंतजार में बैठे परिजन ठंड से कांपते रहे। दोपहर एक बजे के बाद परिजनों ने सीएमओ को फोन कर नाराजगी जताई और पोस्टमार्टम परिसर में हंगामा किया। सीएमओ को बताया कि एक दिन पहले से शव पोस्टमार्टम में रखा है, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद तक नंबर नहीं आया है। शवों की संख्या 17 पहुंच गई और 1.30 बजे तक कोई डॉक्टर नहीं है। करीब दो बजे एक डॉक्टर के आने पर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। जिससे अव्यवस्था फैली दिखी।

भीषण ठंड में सड़क दुर्घटना, आत्महत्या, ठंड से हुई मौतों के कारण शुक्रवार सुबह 11 बजे तक पोस्टमार्टम हाउस पर करीब 14 शव पहुंच गए थे। दोपहर डेढ़ बजे तक शवों की संख्या 17 पहुंच गई। इस समय तक दोनों ड्यूटी डॉक्टर मुन्नालाल व आशीष मिश्रा में कोई पोस्टमार्टम हाउस नहीं पहुंचा था। सिर्फ महिला डॉक्टर चित्रा मौजूद थीं। उधर फर्रुखाबाद, फतेहपुर, कानपुर देहात समेत अन्य परिजन डॉक्टरों का सुबह 8 बज से इंतजार कर रहे थे। सुबह 11 बजे के बाद परिजनों ने नाराजगी जताना शुरू किया। भीड़ की नाराजगी देखकर एलाउंस करके परिजनों को शांत कराया गया। दोपहर एक बजे के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद प्रभारी से डॉ. नवनीत चौधरी से नाराजगी जताई और सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी को फोन करके शिकायत की। परिजनों ने पोस्टमार्टम परिसर में हंगामा किया। करीब पौने दो बजे डॉ. आशीष पहुंचे तब जाकर पोस्टमार्टम का काम शुरू हो सका। तब शवों की संख्या करीब 19 पार हो चुकी थी।

पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद भीड़, घंटों इंतजार के बाद किया हंगामा। अमृत विचार

गुरुवार सुबह से कर रहे इंतजार

■ सचेंडी के कटरा भैसोर निवासी 64 वर्षीय सजायाफ्ता रामपाल की बुधवार रात हैलट में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वह लकवाग्रस्त थे, जिस कारण भर्ती कराया गया था। उनकी पत्नी हेमलता ने बताया गुरुवार सुबह 9 बजे पोस्टमार्टम आए थे। शाम तक इंतजार के बाद घर गए और सुबह फिर 8 बजे आ गए, लेकिन अभी तक नंबर नहीं आया है। पता चला कि डॉक्टर ही नहीं आए हैं। बताया जा रहा है कि वीडियोग्राफी और पैनल से पोस्टमार्टम होगा। इसलिए दूसरे डॉक्टर के आने पर ही हो सकता है। अब तो लग रहा है कि शनिवार को भी आना पड़ेगा।

सिटी ब्रीफ

नगर निगम एनएचएआई व मेट्रो का फूंका पुतला

कानपुर। हमीरपुर रोड के किनारे डैमेज नाला और जलभराव की समस्या काफी विकराल है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसलिए समस्या के निदान के लिए इस सर्दी के मौसम में समाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र तिवारी व व्यापार मंडल अध्यक्ष कमल त्रिपाठी के संयुक्त नेतृत्व में आम जनता के साथ धरना प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसके चौथे दिन नगर निगम, एनएचएआई व मेट्रो रेल प्रशासन का पुतला नाले के पानी में खड़ा किया गया और उसके बाद उस पुतले को माला पहनाकर नाली के पानी में खड़े होकर आरती उतारी गई। इसके बाद पुतले को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान समाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र तिवारी, व्यापार मंडल ध्यक्ष कमल त्रिपाठी, पंकज तोमर, विवेक गुप्ता, अंकुर पांडेय, आशीष त्रिपाठी, मनीष त्रिपाठी, शिव प्रताप परिहार समेत आदि लोग रहे।

अशरफ नगर मस्जिद में जलसा

कानपुर। आल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल द्वारा मस्जिद अशरफ नगर में गरीब नवाज हफ्ते का 19 वां इजलास जश्ने गरीब नवाज मनाया गया। गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम एवं कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद हाशिम अशरफी ने विचार रखे। संचालन हाफिज मोहम्मद अरशद अशरफी ने किया। मौलाना मोहम्मद कलीम कादरी, मौलाना फतह मोहम्मद कादरी, मोहम्मद शमशाद गाजी, मुफीस अहमद, इमामुद्दीन गाजी, हाजी अब्दुल मुईद, अब्दुल हकीम आदि थे।

सुभासपा राष्ट्रीय महासचिव का स्वागत

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर के पुत्र और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर का नौबस्ता चौराहे पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को स्वागत किया। इस मौके पर राजीव अर्कवंशी, प्रकाश राजभर, शक्ति सिंह, सनी सिंह, शिवम कुमार, आकाश श्रीवास्तव, दीपक कुमार, विनय त्रिपाठी, नेहा मिश्रा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिफा रूह जलसा रजबी रोड पर

कानपुर। मदरसा दारुल उलूम गौसिया अशरफिया रजबी रोड हीरामन का पुरवा का सालाना इजलास शिफा रूह व जशने दस्तार फजीलत 23 जनवरी शुक्रवार को होगा। ये कार्यक्रम सादिक शाह बाबा रजबी रोड इफ्तिखाराबाद में शानो-शौकत के साथ मनाया जाएगा। मीडिया इंचार्ज हाफिज व कारी सैयद मोहम्मद फैसल ने जानकारी दी।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला ने दिए प्रश्नों के उत्तर

एआई एंडोस्कोपिक टॉवर से हो सकेगी जटिल से जटिल सर्जरी

साक्षात्कार

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज जल्द ही एक नई तकनीक हासिल करने का जा रहा है। यहां पर देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एंडोस्कोपिक टॉवर स्थापित किया जाएगा। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। एक निजी कंपनी की ओर से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी फंड के तहत मेडिकल कालेज को मिलना है। यह जानकारी जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो .संजय काला ने अमृत विचार के संवाददाता विकास कुमार को साक्षात्कार के दौरान दी।

- **किस तकनीक पर आधारित होता है ये टॉवर**

- यह मॉडल 4के विजन तकनीक पर आधारित होगा, जिसमें दो बड़े टॉवरनुमा उपकरण लगे होंगे। इनकी मदद से डॉक्टरों को सर्जरी के दौरान शरीर के अंदर की स्थिति बेहद स्पष्ट और विस्तृत रूप में दिखाई देगी, जिससे इलाज के दौरान गलती की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। गलती की गुंजाइश होने पर मॉडल खुद संकेत देगा और बेहतर ढंग से कार्य करने पर शाबाशी देगा।

- **इस तकनीक की क्या खासियत होगी**

- सर्जरी के दौरान सर्जन और इंडोस्कोपिस्ट आपस में रियल-टाइम बातचीत कर सकेंगे। अगर किसी मरीज के इलाज के बीच सर्जन को किसी विशेषज्ञ की सलाह चाहिए होगी तो उसे इंतजार नहीं करना पड़ेगा। तुरंत कनेक्शन बनाकर सुझाव लिया जा सकेगा। इससे आपातकालीन स्थितियों में मरीज का इलाज और तेजी से किया जा सकेगा। मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।

- **मेडिकल छात्रों को कैसे मिलेगा लाभ**

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को इस मॉडल की मदद से आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। मॉडल से वह बारीक से बारीक नसों की गहनता और उनसे होने वाले नुकसान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे ऑपरेशन के दौरान गलती की गुंजाइश नहीं होगी।

- **एपेक्स ट्रामा सेंटर का निर्माण कब से होगा**

- हैलट परिसर में एपेक्स ट्रामा सेंटर के निर्माण के लिए शासन से अनुमति मिल गई है, जिसकी लागत 500 करोड़ के आसपास है। ट्रामा सेंटर के निर्माण के लिए फाइल आगे बढ़ चुकी है। कंपनी फाइनल होने के बाद ट्रामा सेंटर का निर्माण कार्य शुरू होगा, जिसका लाभ न सिर्फ कानपुर, बल्कि 18 से 20 जिलों से आने वाले मरीजों को मिलेगा।

- **ट्रामा सेंटर में कौन से नए विभाग होंगे**

- एपेक्स ट्रामा सेंटर में ट्रामेटोलॉजी सर्जरी और ट्रॉमा इमरजेंसी जैसे नए विभाग खुलेंगे, साथ ही इसमें अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ कैथ लैब, ऑपरेशन थिएटर, रेडियोलॉजी और डिजिटल एंजियोग्राफी जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गंभीर मरीजों का इलाज यहीं हो सकेगा। इसके साथ ही एमडी व एमएस जैसे नए कोर्स भी शुरू होंगे।

- **मरीजों को जांच कराने में क्यों दिक्कत हो रही है**

- मेडिकल कॉलेज की पैथोलॉजी पहले हैलट इमरजेंसी के सामने थी, जहां पर डायग्नोस्टिक हब का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि मरीजों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की जांच की सुविधा मिल सके। मरीजों को परेशानी न हो सके, इसलिए पैथोलॉजी को मेटरनिटी विंग की बिल्डिंग यानी कोविड बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया है।

- **डायग्नोस्टिक हब में कौन सी होगी जांच**

- पैथोलॉजी में जो वर्तमान में जांचें हो रही हैं, वो डायग्नोस्टिक हब में होंगी ही। इसके अलावा सभी प्रकार की ब्लड जांच, डीएनए, आरएनए टेस्ट और अन्य सामान्य से लेकर एडवांस इमेजिंग एक्स-रे, सीटी-स्कैन, माइक्रोबायोलॉजी जांचें होंगी, जिससे मरीजों को अलग-अलग विभागों में भटकना नहीं पड़ेगा, इसलिए यहां पर अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी।

- **किस स्तर तक की सर्जरी की जा रही हैं यहां**

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में अब सामान्य से लेकर एडवांस तक सर्जरी की जा रही है, जिसमे कई सर्जरियां तो ऐसी हैं, जो प्रदेश व देश और कॉलेज के इतिहास में पहली बार की गईं। यहां पर दुर्लभ कैंसर का इलाज और सर्जरी सफलता पूर्वक की जा रही है।

- **बर्न यूनिट क्यों नहीं हो रही चालू**

- निर्माण कंपनी ने बर्न यूनिट की बिल्डिंग का सही से निर्माण नहीं किया है। कुछ जगह पर सरिया दिख रही है, टॉयलेट खराब है और टाइल्स हाथ से थपथपाने में अंदर से बज रही है। कुछ तो उखड़ तक गई थीं। निर्माण कंपनी की खामियों की जानकारी शासन को लिख दे दी गई है। अब शासन स्तर पर मामला संज्ञान लिया जाना है।

- **मेडिकल कॉलेज और क्या क्या नया होगा**

- मेडिकल कॉलेज के हैलट परिसर में नई मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का निर्माण का प्रयास किया जा रहा है, जो 13 मंजिला होगा। इसमें इंटेंसिव केयर यूनिट भी होगा। मेडिसिन ब्लॉक में मेडिसिन से संबंधित सभी सुविधाएं रहेंगी। एक बड़ा वेटिंग हॉल भी होगा। ओपीडी की बिल्डिंग पुरानी हो गई है, इसलिए यहां पर नया ओपीडी ब्लाक बनाने की तैयारी भी की जा रही है। नया सर्जरी ब्लाक और 100 बेड के आईसीयू का निर्माण कार्य चल रहा है। कॉलेज के पास अब अपना पॉवर स्टेशन भी है, जो हैलट कैंपस में स्थापित किया गया है, जहां पर ग्रिड से बिजली आएगी।

दिन का पारा 5 डिग्री गिरा, गजब की गलन

अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, पहाड़ों से आ रहीं हवाओं ने बढ़ाई गलन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में सर्दी का सितम जारी है। हालात यह है कि 24 घंटे के भीतर तापमान में लगभग 5 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज हुई। तापमान के गोता लगाते ही गलन भरी सर्दी ने लोगों को बेहाल कर दिया। शहर का अधिकतम तापमान गुरुवार को जहां 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया वहीं शुक्रवार को यह कम होकर 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

शहर में भोर से ही कोहरे ने अपना असर छोड़ा। बदलों की वजह से धूप भी नहीं निकली। धूप न निकलने की वजह से तापमान में भारी गरावट दर्ज हुई। दिन के तापमान में अत्याधिक गिरावट दर्ज होने से लोगों को परेशानी हुई। जरूरी काम न होने से लोगों ने घरों में ही रहना सुरक्षित समझा। सर्दी की अधिकता के चलते कई जगहों पर खुद से ही लोगों ने अलाव का इंतजाम किया। मौसम विभाग की ओर से शहर का न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जल्द ही शहर में धूप निकलने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शनिवार को मौसम में कुछ परिवर्तन हो सकता है। धूप निकलने की संभावना है लेकिन सर्द उत्तर पश्चिमी हवाएं कानपुर मंडल सहित गंगा के मैदानी क्षेत्रों असर दिखाएगी। शीत लहर की स्थिति बन सकती है। तापमान में गिरावट की भी संभावना है। दोपहर में धूप, निकलने से दैनिक जीवन में राहत की संभावना है। सुबह, शाम, रात का घना कोहरा बना रहेगा।

जगह-जगह लोग अलाव तापते रहे। अमृत विचार

बाजार में कम खरीदारी: सर्दी व धूप न निकलने की वजह से शहर की बाजारों में कम खरीदारी रिकॉर्ड की गई। खासतौर पर नयागंज, शिवाला, बिसाती बाजार, गुमटी, आर्य नगर, गोविंद नगर व लाल बंगला जैसी बाजारों में भी खरीदारो की आमद कम रहीं। कारोबारियों ने बताया कि शहर में थोक बाजारों में दूसरे जिले से आने वाले खरीदारों में लगभग 30 फीसदी की कमी दर्ज हुई है।

अलाव का इंतजाम: शहर में सर्दी के प्रकोप के बीच भी नगर निगम की ओर से अब तक राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था नहीं हुई है। अलाव न होने से राहगीरों को परेशानी हो रही है। सबसे अधिक परेशानी बाजारों में श्रमिकों व रोजाना कमाने वालों को हो रही है। शहर में अलाव की व्यवस्था समाज सेवी संगठनों व क्षेत्रीय नागरिकों की ओर से कराई जा रही है।

जरूरतमंदों को वितरित किए कम्बल

- शीतलहर के चलते यती संकल्प संस्थान की ओर से शुक्रवार को जरूरतमंदों के लिए अभियान चलाया गया। संस्थान की सचिव एवं समाज सेविका सीए नीतू सिंह की ओर से गंगा बैराज के समीप स्थित सेवा बस्ती क्षेत्र में सैकड़ों जरूरतमंदों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। इस दौरान सीए नीतू सिंह ने कहा कि सर्दी की यह कड़ी मार उन लोगों के लिए बेहद कठिन होती है जो बिना पर्याप्त संसाधनों के सड़कों या झुग्गियों में जीवन यापन कर रहे हैं। हमारी पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति ठंड की मार से पीड़ित न हो।

ठंड हुई जानलेवा, छात्र समेत दो की गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चकेरी में बिस्तर पर बैठकर मोबाइल देखते मुंह के बल गिरा छात्र, मौत

अमृत विचार। ठंड अब जानलेवा साबित हो रही है। शुक्रवार को 19 वर्षीय छात्र समेत दो युवकों की जान ठंड से चली गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

मूलरूप से महोबा के कबरई मवई खुर्द निवासी 19 वर्षीय प्रशांत यादव रामादेवी पेट्रोल पंप के पास किराये पर मकान लेकर रहता था। उसके साथ छोटा भाई बारहवीं का छात्र प्रवीण व मौसेरा भाई योगेंद्र रहता था। ताऊ जयकरन यादव ने बताया कि प्रशांत बीटेक की एक साल पढ़ाई करके छोड़ चुका है। अब बेहतर कॉलेज से बीटेक करना चाहता था, इसलिए तैयारी कर रहा था। छोटे भाई भी साथ में रहकर पढ़ते हैं। प्रवीण व योगेंद्र ने बताया कि गुरुवार रात सबने खाना खाया। इसके बाद वह दोनों सो गए, भाई प्रशांत मोबाइल चला रहा था। रात करीब एक बजे वह मोबाइल चलाते हुए मुंह के बल गिर पड़ा। इस पर मकान मालिक की मदद से भाई को कांशीराम ट्रामा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत बता दिया। प्रवीण के अनुसार ठंड लगने से भाई की जान गई है। सूचना पाकर उसके माता-पिता छत्तीसगढ़ से आ रहे हैं। जबकि ताऊ व मौसी अखिलेश, मौसा परमानंद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

प्रशांत यादव।

वहीं बिठूर के न्यू हाईवे सिटी निवासी 44 रोहित त्रिपाठी की मंगलवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि 29 दिसंबर को रोहित काम से बाहर गया था। वहां से घर लौटा। ऑटो से घर के सामने सड़क पर उतरा और परिसर में घुस रहा था, तभी वह बेहोश होकर गिर पड़ा। निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान मंगलवार रात उसकी मौत हो गई।

ड्रग विभाग के सूत्र कमजोर अच्छा कार्य नहीं हो रहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिलाधिकारी ने सख्त कार्रवाई व जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

अमृत विचार। जिले में कई ऐसे मेडिकल स्टोरों का संचालन किया जा रहा है, जो मानक विहीन हैं और नकली व नशीली दवाओं की ब्रिक्री तक कर रहे हैं। इसकी जानकारी तब होती है, जब शासन के निर्देश पर औषधि निरीक्षक फील्ड में उतरते हैं। जिले में नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने विशेष जोर दिया।

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने ड्रग विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया कि नकली दवाओं के निर्माण और विक्रय पर पैनी निगरानी रखी जाए। जनहित सर्वोपरि रखते हुए दवाओं के दुरुपयोग को रोका जाए और जनस्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। ड्रग विभाग के अधिकारी के कार्यप्रदर्शन पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। कहा कि अपने सूत्र मजबूत करें, ताकि जिले में नकली व मिलावटी दवाओं के कारोबार में संलिप्त तत्वों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश दिया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण और विक्रय के खिलाफ प्रभावी और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विशेष अभियान चलाकर मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नकली पैकेजिंग करने वालों पर विशेष निगरानी रखते हुए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। होटल और रेस्टोरेंट में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और समय-समय पर जागरूक करने के निर्देश दिए।

5250 नमूनों में 192 मानक के विपरीत मिले

- विभागीय समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में खाद्य सचल प्रयोगशाला फूड सेफ्टी ऑन व्हील के माध्यम से जिले में खाद्य पदार्थों के कुल 5250 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 192 नमूने मानक के विपरीत पाए गए। इसके अलावा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ईट राइट चैलेंज कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक जिले के 409 प्रतिष्ठानों को हाइजीन रेटिंग का प्रमाणीकरण प्रदान किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह अपने क्षेत्रों में व्यापार मंडलों के साथ प्रत्येक माह कम से कम एक बैठक जरूर करें और खाद्य सुरक्षा नियमों, मिलावट के दुष्परिणामों और वैधानिक प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

व्यापारियों ने बताईं समस्याएं, बोले- दूर करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश की मंडियों में दुकानों की मूल आवंटी प्रोपराइटरशिप फर्म में पार्टनर जोड़े जाने संबंधी निर्देशों में व्यावहारिक कठिनाइयों एवं संशोधन को लेकर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया। व्यापारियों ने राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उप्र के संभागीय उपनिदेशक प्रशासन को समस्याएं भी बताईं। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल से जुड़े व्यापारियों ने परेशानी से उबारने की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के कानपुर मंडल के संभागीय उपनिदेशक प्रशासन संजय सिंह को नोबस्ता गल्ला मंडी स्थित कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कानपुर मंडल के संभागीय उपनिदेशक प्रशासन संजय सिंह को बताया कि 11 दिसंबर को जारी आदेश के माध्यम से प्रदेश की मंडियों में स्थित दुकानों के मूल आवंटी की प्रोपराइटरशिप फर्म में पार्टनर बनाए जाने के लिए कुछ निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में निहित कई प्रावधान अत्यंत जटिल, अव्यावहारिक एवं व्यापारिक दृष्टि से बाधक हैं।

ज्ञापन देते व्यापारी नेता। अमृत विचार

स्क्रैप व्यापार मंडल की नई कमेटी करेगी संगठन विस्तार

कानपुर। फजलगंज स्थित केंद्रीय कार्यालय में उत्तर प्रदेश स्क्रैप व्यापार मंडल की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चंदी गुप्ता और संचालन प्रदेश महामंत्री योगेंद्र सिंह यादव ने किया। चंदी गुप्ता ने कहा कि संगठन का विस्तार 15 जनवरी के बाद किया जाएगा। पूर्व की कमेटी को भंग करके नई कमेटी का गठन किया गया है। सदस्यता अभियान चलाकर पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत किया जाएगा। नगर, ग्रामीण और देहात की कमेटियों का गठन होगा।

बैठक में गुलशन लाल श्रीवास्तव, गौरी शंकर, अशोक जायसवाल, मोईन खान, राहुल, नरेश चंद्र, निसार अहमद, संदीप कुमार जायसवाल, शंभु शंकर शर्मा, शेषनाथ यादव, जयराम सिंह यादव, राकेश तिवारी, दशरथ यादव, सतीश वर्मा, किशोर, सीबी लाल यादव, हसमत अली, अमरदीप सिंह, हरीशंकर, अली बाबा, संजय जैन, गोपाल गुप्ता मौजूद रहे।

हेल्थ अलर्ट

शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल जमा होने से भी पड़ सकता है हार्ट अटैक

सीने-बाजू में हल्के दर्द और बेचैनी को न करें नजरअंदाज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्दी के मौसम में सीने में दर्द, बेचैनी, सीने में दबाव, सांस फूलना, बांह, गर्दन या जबड़े में दर्द, थकान व चक्कर आने की समस्या को नजरअंदाज बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। यह समस्या शरीर में खराब कोलेस्ट्रोल जमा होने की वजह से भी हो सकती है। कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ने की वजह से हार्ट अटैक का भी खतरा बढ़ जाता है। खासकर सर्दियों के मौसम में यह लक्षण नजर आने पर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

रावतपुर स्थित कार्डियोलॉजी संस्थान की ओपीडी में आने वाले मरीजों में से 30 से 35 फीसदी मरीजों का कोलेस्ट्रोल बढ़ा हुआ मिल रहा है। वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.अवधेश कुमार शर्मा के मुताबिक सर्दी बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि सर्दी में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, खून गाढ़ा होता है और शरीर की गतिविधि कम होने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने लगता है। जब कोलेस्ट्रॉल का लेवल बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और फैट धमनियों में जमा होने लगता है तो शरीर कुछ सूक्ष्म चेतावनी या संकेत देना शुरू कर देता है। इनमें से एक चेतावनी सीने में हल्का दर्द या बेचैनी होती है। यह दर्द तब होता है, जब हृदय की मांसपेशियों को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त खून नहीं मिल पाता, क्योंकि धमनियों में फैट जमाव के कारण रुकावट पैदा हो रही होती है। अगर किसी व्यक्ति के सीने में हल्के दर्द के साथ कुछ अन्य शारीरिक लक्षण भी महसूस हो तो यह सीधे तौर पर खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा खतरे के निशान को पार होने का संकेत दर्शाता है।हार्ट अटैक की आशंका काफी बढ़ जाती है।

हाई कोलेस्ट्रोल से यह भी होती दिक्कत : डॉ.अवधेश के मुताबिक हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण रक्त वाहिकाओं में फैट जमा होने से रक्त का संचार धीमा पड़ जाता है। जब हाथ और पैरों की छोटी धमनियों में रक्त का प्रवाह कम होता है तो उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इस कारण हाथों और पैरों में सुन्नपन, झुनझुनी या ऐंठन महसूस भी हो सकती है, खासकर रात के समय। वहीं, कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत अधिक बढ़ने पर आंखों की ऊपरी या निचली पलकों पर पीले रंग के हल्के उभार या गांठें तक बन जाती हैं।

कार्डियोलॉजी की ओपीडी में मरीजों को परामर्श देते डॉ .अवधेश कुमार शर्मा। अमृत विचार

कमजोर रक्त संचार का सीधा परिणाम थकान

- डॉ.अवधेश के मुताबिक कमजोर रक्त संचार का सीधा परिणाम थकान होती है। जब धमनियों में रुकावट होती है, तो हृदय को शरीर के अंगों तक रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त प्रयास के कारण व्यक्ति को लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है। इसके अलावा तेज चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर सांस फूलने की समस्या भी हो सकती है। वहीं, लंबे समय तक ब्लड फ्लो खराब रहने से पैरों पर इसका असर दिखता है। पैरों की त्वचा चमकीली, पतली या नीली तक पड़ सकती है।

सिटी ब्रीफ

पौष मास पूर्णिमा की तैयारी पूरी

कानपुर। शहर में पौष मास पूर्णिमा के स्नान के लिए घाटों पर तैयारी पूरी हो गई है। शनिवार को होने वाले स्नान के लिए सरसैया घाट, परमट घाट, गुप्तार घाट पर सफाई कराई गई। इसके साथ ही घाटों पर भक्तों के स्नान के लिए सुविधा देने के लिए बैरियर व बैरीकेडिंग भी कराई बई। गंगा घाटों पर स्नान के दौरा कोई अनहोनी न हो इसके लिए गोताखोर व बल्लियां भी लगाई है। पूर्णिमा पर शहर के गंगा घाटों पर बड़ी संख्या में भक्त पहुंचेंगे। उधर पूर्णिमा पर सिद्धनाथ घाट पर सुबह भक्तों की ओर से होने वाले स्थान के साथ ही शाम को विशेष गंगा आरती भी की जाएगी। मां गंगा सेवा समिति की ओर से होने वाली आरती में पतित पावनी मां गंगा पर चुनरी भी चढ़ाई जाएगी। भक्तों की ओर से जलधारा का अभिषेक भी किया जाएगा। पूजन के बाद भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।

एचबीटीयू ने किया एमओयू

कानपुर। फोरेंसिक जांच को आसान और सटीक बनाने के लिए टेक्नोलाजी और साइबर टूल का विकास हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) में किया जाएगा। इसके लिए एचबीटीयू और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के बीच हुए शैक्षिक समझौते के तहत इस दिशा में काम किया जाएगा। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश में अपराध नियंत्रण संबंधी प्रोजेक्ट पर काम करने का निर्देश भी एचबीटीयू कुलपति को दिया है। कुलाधिपति के नेतृत्व में एचबीटीयू कुलपति प्रो. समशेर और उनकी टीम ने दो दिन पहले नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) का भ्रमण किया है। प्रो. समशेर ने एनएफएसयू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किया है।

नए साल पर 10 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे कारगिल पार्क

कानपुर। नववर्ष के अवसर पर नगर निगम द्वारा संचालित मोतीझील स्थित पर्यटन स्थल कारगिल पार्क में बड़ी संख्या में लोगों ने सैर-सपाटा किया। पहली जनवरी को नगर निगम को पार्क में प्रवेश हेतु जारी किए गए टिकटों के माध्यम से एक लाख नौ सौ पैंतीस रुपये आमदनी हुई। मार्निंग वॉक का समय समाप्त होने के बाद कारगिल पार्क में प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति 10 रुपये वसूले जाते हैं। नगर निगम द्वारा पार्क में स्वच्छता, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं।

हलीम में कुरानख्वानी तरक्की के लिए दुआएं

कानपुर। हलीम मुस्लिम इंटर कालेज में हलीम डे पर कुरानख्वानी का आयोजन किया गया और हलीम स्कूल की तरक्की के लिए दुआएं की गईं। शुक्रवार को हलीम मुस्लिम कालेज ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन एवं हलीम मुस्लिम इण्टर कालेज के द्वारा हलीम डे मनाया गया। अध्यक्षता ओल्ड ब्वायज के चेयरमैन हाजी मोहम्मद सलीस ने की। स्कूल के प्रधानाचार्य आजिम हुसैन ने सचांलन किया। इस मौके पर पहले कुरानख्वानी हुई और हाफिज मोहम्मद हलीम, बशीर बारटला व उनकी वालिदा एवं पूर्व प्रधानाचार्यों, पूर्व अध्यापकों जिनका देहान्त हो गया उनकी मगफिरत की दुआ की गई। इस अवसर पर हाजी मोहम्मद सलीस पूर्व प्रधानाचार्य मुशताक अहमद, वाइस चेयरमैन डॉ. तारिक रजा फात्मी, हाजी इश्तियाक निजामी आदि ने विचार रखे।

वसूली के लिए मुनादी कराएंगे जरूरत पड़ी तो कोर्ट भी जाएंगे

सोना और चांदी के बेतहाशा दाम बढ़े तो रिटेल कारोबारियों के भाव नहीं मिल रहे

विशेष संवाददाता,कानपुर

बैठक करते सराफा कारोबारी। अमृत विचार

- करोड़ों की रकम उधारी में फंसी, बैठक में बड़े सराफा व्यापारियों ने बनाई रणनीति

अमृत विचार। सोने और चांदी के बढ़ते भाव के बीच सराफा कारोबारियों की बड़ी रकम उधारी में फंस गई और इससे चिंतित होकर अब वसूली की रणनीति तय की है। इस सिलसिले में गुरुवार को नयागंज सराफा बाजार में कारोबारियों की बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि अगर वादे के मुताबिक शीघ्र ही उधर की रकम वापस नहीं मिली तो जिन पर बकाया है, वहां बाजार में मुनादी कराई जाएगी। संपर्क अभियान के तहत बताया जाएगा कि किस बाजार में किस आभूषण विक्रेता पर कितना बकाया है ताकि सभी सतर्क हो जाएं और वसूली में सहायता भी करें।

यह भी बताया गया कि फुटकर आभूषण दुकानदार बड़े सराफा बाजारों से चांदी और सोना उधार ले जाते हैं और तय अवधि में इसका भुगतान भी कर देते हैं। इधर छह महीने से सोने और चांदी के भाव में रिकार्ड तेजी रही। इसका फायदा कुछ विक्रेता उठा रहे हैं। उदाहरण के लिए मान लिया कि चार दिन पहले दो लाख रुपये किलो पर चांदी उधार ले गए और फिर दाम 35 हजार बढ़ गए तो उसे बेचकर मुनाफा तो कमा लिया पर उधारी वापस नहीं की। इससे इस कारोबार पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। नयागंज सराफा एसोसिएशन के विकास ओमर ने बताया कि अब वसूली की योजना तय की गई है। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्रा ने बताया कि नयागंज के गुजरात भवन में हुई बैठक में तय हुआ है कि सैकड़ों करोड़ रुपये फंसे हैं। अब वसूली के लिए बाजारों में प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा और जरूरत पड़ी तो कानून का भी सहारा लेंगे। प्रदेश में डेढ़ लाख से ज्यादा आभूषण विक्रेता हैं। बैठक में राजीव भाटिया, अरुण गोयल, ललित वोरा, रवि गुप्ता, विकास ओमर, राकेश कुमार, राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

इंटर आईआईटी टेक मीट में दूसरा स्थान

कानपुर। आईआईटी कानपुर ने आईआईटी पटना में आयोजित इंटर आईआईटी टेक मीट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि संस्थान को छह वर्षों के बाद रजत पदक के रूप में हासिल हुई है। प्रतियोगिता में आईआईटी कानपुर का प्रतिनिधित्व साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल, स्टूडेंट्स जिमखाना की टीम ने किया।

प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने प्रमुख कंपनियों और संगठनों द्वारा दिए गए जटिल समस्या वक्तव्यों का समाधान करते हुए तकनीकी दक्षता रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन किया। एटर्नल और स्टेम वाइब समस्या वक्तव्यों पर कार्य करने वाली टीमों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि इसरो से संबधित समस्या वक्तव्य में द्वितीय स्थान हासिल हुआ। यह उपलब्धि तनुश गोयल, महासचिव, साइंस एंड टेक्नोलॉजी के नेतृत्व में संभव हो सकी। त्रिजल श्रीवास्तव (कॉन्टिंजेंट लीडर), रचित चौधरी और मयंक अग्रवाल (उप कॉन्टिंजेंट लीडर्स) भी टीम में शामिल रहे। समग्र रैंकिंग में आईआईटी कानपुर ने 2951.93 अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

ट्रायल में पहुंचे बच्चे। अमृत विचार

खेल ट्रायल में परखी गई बच्चों की प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम द्वारा खेलो इंडिया एवं स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत आर्यनगर स्थित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में ईडब्लूएस वर्ग के बच्चों के लिए खेल ट्रायल प्रारंभ हुए। इन ट्रायल्स के माध्यम से बच्चों की शारीरिक क्षमता एवं खेल कौशल का मूल्यांकन किया गया। नगर निगम को ईडब्लूएस श्रेणी के तहत कुल 424 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सत्यापन के उपरांत 256 बच्चों को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी गई। ट्रायल में सर्वप्रथम बच्चों का फिजिकल टेस्ट लिया गया, इसके बाद दोपहर 12 बजे से इंडिविजुअल स्पोर्ट्स स्किल टेस्ट में बच्चों की उनके चयनित खेल में व्यक्तिगत दक्षता को परखा गया। बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, कराटे, शूटिंग, टेबल टेनिस एवं ताइक्वांडो सहित विभिन्न खेलों में बच्चों ने भागीदारी की। नगर निगम ने ट्रायल प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सात सदस्यीय कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया गया है। चयनित बच्चों की सूची तीन जनवरी को जारी की जाएगी। इसके बाद बच्चों को मेडिकल सहित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। ईडब्लूएस खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का सातवां बैच पांच जनवरी से द स्पोर्ट्स हब में प्रारंभ होगा।

स्क्वैश चैंपियनशिप में हुए 33 मुकाबले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

- धामपुर, प्रयागराज और वाराणसी के खिलाड़ियों का देखने को मिला वर्चस्व

अमृत विचार। द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में केके शर्मा मेमोरियल उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि अंजनीश प्रताप सिंह, उपायुक्त (उद्योग) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। कानपुर स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन एवं द स्पोर्ट्स हब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में पहले दिन दिन टीएसएच के अत्याधुनिक स्क्वैश कोर्ट्स पर प्रदेश के उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कानपुर स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप में अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 बालक वर्ग, अंडर-17 बालिका वर्ग के साथ महिला एवं पुरुष वर्गों में नॉकआउट आधार पर मुकाबले खेले जा रहे हैं। पहले दिन के 33 मुकाबलों में धामपुर, प्रयागराज और वाराणसी के खिलाड़ियों का वर्चस्व देखने को मिला। शनिवार को मुकाबले सुबह 9 बजे से खेले जाएंगे, जिनमें महिला वर्ग के मैच मुख्य आकर्षण रहेंगे। उद्घाटन में यूपी स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सचिव विनय पांडेय मौजूद रहे। टीएसएच के डायरेक्टर ऑपरेशंस पीके श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

शेरे खुदा के यौमे विलादत पर जश्न

कानपुर। शुक्रवार हजरत अली शेरे खुदा के यौमे विलादत (जन्मदिवस) पर शान-ओ-शौकत के साथ मस्जिदों, इमाम बारगाहों कर्बला और खानखाहों में मौलूदे काबा का जश्न मनाया गया।

शमीम हैदर हॉल सिविल लाइंस की महफिल को मौलाना नुसरत आबिदी ने खिताब करते हुए हजरत अली के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महफिले मीलाद का आयोजन किया गया। मौलाना ने मौलाए कायनात के नक्शे कदम पर चलने की नसीहत दी। ताज उतरौलवी, फिरोज कानपुरी,हसन महमूदाबादी, जिया जैदी, इशरत उतरौलवी, जवाहर उन्नावी,अंसार कम्बरी, जमरूद कैसर,अली अब्बास नकवी,समीर कानपुरी आदि ने अपने कलाम से बारगाहे मौला अली में अकीदत का नजराना पेश किया।

जाजमऊ के पास गंगा में मृत मिली डाल्फिन मछली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

गंगा में मृत मिली डाल्फिन मछली। अमृत विचार

अमृत विचार। जाजमऊ गंगा पुल के नीचे शुक्रवार को एक डाल्फिन मछली मृत पाई गई। उसकी मौत की वजह प्रदूषण को बताया जा रहा है। मृत डाल्फिन देख नाविकों ने उसे बाहर निकाला और इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने मृत मछली को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अब पोस्टमार्टम के बाद ही तय होगा कि मौत की असली वजह क्या है।

शुक्रवार देर शाम कुछ नाविक गंगा में मछलियां पकड़ रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक बड़ी डाल्फिन किनारे लगी हुई है। जब उन्होंने उसे हिलाया तो पता चला कि वह मृत अवस्था में है। इस पर नाविकों ने पहले इसकी सूचना जाजमऊ पुलिस को दी। पुलिस ने उसे नाविकों की मदद से बाहर निकलवाया। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी गई।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने मृत मछली को कब्जे में ले लिया। अधिकारियों ने कहा कि डाल्फिन मछली कहीं से बहकर आ गई है। कहा जा रहा है कि गंगा में प्रदूषण के कारण इसकी मौत हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि वन विभाग के रेंजर राकेश पांडेय ने मृत मछली को कब्जे में ले लिया है। यह करीब दो से तीन दिन पुरानी लग रही है। मछली की लंबाई करीब 10 फीट और वजन साढ़े तीन सौ किलो के आसपास होने का अनुमान है।

श्रीराम वन गमन की कथा सुनाई

कानपुर। मकड़ी खेड़ा के श्री संकट मोचन धाम मंदिर परिसर में आयोजित नवदिवसीय श्री राम कथा पर कथा व्यास जगतगुरु करपात्री जी महाराज (जानकी कुंज, श्री अयोध्या धाम) ने श्री राम वन गमन, शबरी का जूठे बेर खाना तथा पंपापुर तक के प्रसंग का वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्री राम के आदर्श, चरित्र, मर्यादा, त्याग एवं भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला गया।महाराज ने कहा श्री राम जी अपने चरित्र, मर्यादा के कारण ही मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। उनके जीवन से सबको सीख लेनी चाहिए। श्री राम भगवान होते हुए अति विनम्र थे और रामराज्य उन्हीं के काल में आया। राजा के रूप में वह प्रजा के हितैषी थे। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया। कार्यक्रम में मंदिर व्यवस्थापक मनीष दुबे, पंडित अवधेश मिश्रा, अतुल नारायण दुबे, निवास पांडेय ,मुरलीधर दुबे, बंशीधर दुबे, ददन मिश्रा, कमल किशोर शुक्ला, रामेंद्र शुक्ला सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

करपात्री जी।

शिविर में 470 लोगों ने कराई जांच

कानपुर। मेस्टन रोड स्थित श्री रामलीला भवन में शुक्रवार को श्रीरामलीला सोसाइटी परेड ने निःशुल्क नेत्र चिकित्सा परीक्षण व ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्जवलन से किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.अवध दुबे, डॉ.गौरव दुबे, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी व डॉ. तनमीत कौर ने टीम के साथ 470 लोगों को देखा और उनकी आंखों की जांच की। 180 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। सभी ऑपरेशन तीन जनवरी को अत्याधुनिक विधि से स्वरूप नगर स्थित आरके देवी आई रिसर्च इंस्टीट्यूट में किए जाएंगे। सोसाइटी के प्रधानमंत्री कमल किशोर अग्रवाल ने बताया कि सोसाइटी ने अब तक 5065 नेत्र रोगी -मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन कराया जा चुका है। शिविर में सभी वर्ग के लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई गई। शिविर में सोसाइटी के मंत्री अमरनाथ मेहरोत्रा, मंत्री आलोक अग्रवाल, मंत्री पवन अग्रवाल, लालजी शुक्ला समेत आदि लोग रहे।

शिविर का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

गुरुद्वारा कलगीधर में प्रकाश पर्व कल

कानपुर। गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा ब्लाक-11 गोविन्द नगर में सरवंशदानी गुरु पिता साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी का प्रकाश पर्व रविवार 4 जनवरी को मनाया जाएगा।

यूआईईटी के छात्र के प्रोजेक्ट का हुआ चयन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्र का प्रोजेक्ट सीएसटी यूपी इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स अनुदान योजना के लिए चयनित हुआ है। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र शोभित कुमार चौबे ने यह उपलब्धि हासिल की है।

छात्र का प्रोजेक्ट 'डिजाइन फेब्रिकेशन एंड एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑफ ए पैराबोलिक थ्रू सोलर कलेक्टर विद इन्हैंसड कनेक्टिविटी हीट ट्रांसफर फ़ॉर प्रोसेस हीट एप्लीकेशंस' डॉ. हिरेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट उन्नत सौर तापीय तकनीक के माध्यम से औद्योगिक प्रक्रिया ताप अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा दक्षता बढ़ाना तथा नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी उपयोग को बढ़ाता है। छात्र की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, निदेशक, यूआईईटी व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष सहित विश्वविद्यालय प्रशासन और संकाय सदस्यों ने छात्र को बधाई दी।

कार्यालय जिलाधिकारी, कन्नौज

पत्रांक: 1072/लेखाकार/ सोशल आडिट टीम–चयन / 2025–26 दिनांक: 01. 01. 2026

सोशल आडिट टीमों के गठन हेतु विज्ञप्ति
(उ0प्र0 सोशल आडिट संगठन, (पंजीकृत सोसाइटी) के अधीन)

निदेशक, सोशल आडिट, ग्राम्य विकास, विभाग उ0प्र0 लखनऊ के पत्र सं0 1451/सो.आ.नि.–318(4)/2025 प्रधानमंत्री आवास दिनांक 19 दिसम्बर, 2026 के कम ग्राम पंचायतों में निर्दिष्ट योजनाओं यथा मनरेगा तथा प्रधानमंत्री योजना ग्रामीण तथा अन्य विभागों के अन्तर्गत कराए गए कार्यो का सोशल आडिट करने हेतु ब्लाक स्तर पर 04 सदस्यीय सोशल आडिट टीमों के पैनल तैयार करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्नवत आवेदन–पत्र आमंत्रित किए जाते हैं: –

1– प्रत्येक सोशल आडिट टीम में सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति तथा जाबकार्ड धारक श्रमिक अथवा उसके पात्र पुत्र/पुत्री प्रत्येक श्रेणी से एक–एक सदस्य होंगे। टीम में न्यूनतम एक सदस्य का महिला होना अनिवार्य है। महिला अभ्यर्थी के स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्य होने पर उसे वरीयता दी जाएगी।
2– **शैक्षिक अर्हता :–** हाईस्कूल उत्तीर्ण। श्रमिक के मामले में हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर चयन समिति द्वारा शैक्षिक अर्हता शिथिलनीय।
3– **निवास :–** सोशल आडिट टीम का सदस्य नामित होने हेतु उसी विकास खण्ड का निवासी होना अनिवार्य है।
4– टीमों के पैनल पर पूर्व के वर्षो में नामित टीम सदस्यों को वर्तमान पैनल पर नामित किए जाने हेतु वरीयता (Weightage) दी जाएगी।
5– सोशल आडिट टीम सदस्यों के पैनल में ग्राम पंचायत वार्ड के सदस्य, ग्राम प्रधान, ग्राम प्रधान के निकट सम्बन्धी, यथा–पति/पत्नी, माता/पिता, भाई / बहन (अविवाहित), पुत्र / पुत्री (अविवाहित), क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, वकील, प्रेस रिपोर्टर एवं कोटेदार को सम्मिलित न किया जाये।
6– आयु 01 अप्रैल, 2026 को 25 से 63 वर्ष के बीच हो।
7– सोशल आडिट टीमों के सदस्यगण सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में 02 वर्ष अर्थात 01 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2028 तक के लिए पैनल पर नामित किए जाएंगे। इस तिथि के बाद यह पैनल स्वतः समाप्त हो जायेगा। सोशल आडिट टीमों के पैनल की समयावधि सक्षम के स्तर से बढ़ायी जा सकती है।
8– पैनल पर नामित सदस्यगणों से केवल आवश्यकतानुसार सोशल आडिट हेतु उनकी सेवाएं प्राप्त की जाएंगी। यह भी सम्भव है कि कतिपय मामलों में अपरिहार्य कारणों से सदस्यगणों से सोशल आडिट का कार्य न लिया जा सके। सोशल आडिट का कार्य न लिए जाने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार का व्यावसायिक शुल्क अनुमन्य न होगा।
9– सोशल आडिट के वास्तविक रूप से सम्पन्न होने पर सोशल आडिट टीम के प्रत्येक सदस्य को सोशल आडिट के दौरान रू0 435/– प्रतिदिन व्यावसायिक शुल्क के रूप में अनुमन्य होगा।
10– सोशल आडिट टीम के सदस्यों की सेवाएं पूर्णतया सामाजिक कार्य है। यह किसी प्रकार की नौकरी नहीं है और न ही इससे भविष्य में किसी प्रकार की नौकरी की हकदारी बनेगी।
11– टीम के सदस्य हेतु आवेदन पत्र खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय या जिला विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है अथवा संगठन की वेबसाइट www.socialauditup.in से डाउनलोड भी किया जा सकता है।

(सोशल आडिट टीम का सदस्य) हेतु आवेदन पत्र

1– विकास खण्ड:........................... 2– ग्राम पंचायत:...
3– अभ्यर्थी का नाम:....................... 4– पिता/पति का नाम:.................................
5– जन्मतिथि:............................... 6– शैक्षिक अर्हता :.......................................
7– श्रेणी (सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति, जाबकार्ड धारक श्रमिक अथवा उसके पात्र पुत्र/पुत्री:... ....
8– सोशल आडिट टीम सदस्य के रूप में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त किया है– हाँ/नहीं
प्रशिक्षण प्राप्त करने का वर्ष
9– निदास का पता एवं मोबाइल नं0:.................................
10–स्वयं सहायता समूह का सदस्य है:– (हाँ/नहीं)

दिनांक:.................................
अभ्यर्थी का हस्ताक्षर:.......................

12– सोशल आडिट टीम सदस्यों के अधिकाधिक आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु सूचना का व्यापक प्रचार–प्रसार विकास खण्ड स्तर पर किया जाए।
13– जिला विकास अधिकारी कार्यालय में आवेदन–पत्र पहुँचने की अन्तिम तिथि: 30 जनवरी, 2026 है।

जिलाधिकारी, कन्नौज

धर्म-अध्यात्म

वासुदेव साईं विश्व सेवा संस्थान की ओर गैंजेज क्लब में कथावाचक शुभ्रम बहल की कथा

शरणागत से असीमित प्रेम करते साईंनाथ : बहल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कथा कहते कथावाचक शुभ्रम बहल और उपस्थित श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। साईनाथ शरणागत से असीमित प्रेम करते हैं। शिरडीनाथ इतना प्रेम करते हैं कि कई जन्मों के माता-पिता मिलकर भी उसकी तुलना नहीं कर सकते। ये बातें कथावाचक शुभ्रम बहल ने वासुदेव साई विश्व सेवा संस्थान की ओर से आयोजित कथा में कहीं।

उन्होंने कहा कि साई नाथ इतने करुणा वरुणालय हैं कि जो उनकी निंदा करता है वे उस पर भी क्रोध नहीं अपितु दया ही करते हैं। वे अभक्तों पर भी कृपा करते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा के अवतार काल में वे भक्त के ग्रह नक्षत्र को प्रतिकूल से अनुकूल बना देते थे। श्री बहल ने कहा कि साईनाथ की जो एकनिष्ठ और समर्पित भाव से भक्ति करते हैं बाबा उसके जीवन के दुर्भाग्य को भी सौभाग्य में बदल देते हैं। साईकथा का श्रवण कर श्रद्धालु सुखी होता है। यह कथा श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला सिखाती है।

बाबा का प्राकट्य जिस नीम के वृक्ष के नीचे शिरडी में हुआ था उसके पत्ते मीठे हो गए। इसी प्रकार से जो बाबा के सच्चे भक्त हैं उनमें विनम्रता और उनके जीवन में प्रेम की मिठास स्वयमेव आ जाती है। साईनाथ ने दया, करुणा और प्रेम का संदेश दिया है। जो भी निर्मल मन से साई के पास गया वे उसी के हो गए। उन्हें छल, कपट और प्रपंच से नहीं पाया जा सकता है। साई बाबा को पाने के लिए मन को निर्मल बनाना होगा। व्यासपूजन पंडित सुरेश शुक्ला व सतीश चंद्र मिश्रा ने किया कार्यक्रम में कुमकुम स्वरूप, विनोद बहल, सोनिया अरोड़ा, मंजू मुलानी, सुमंगला शुक्ला, दीपा वातवानी आदि उपस्थित रहीं।

गिरते हुए को उठाओ

उन्होंने कहा कि साई नाथ ने सदैव दीन दुखियों की सेवा करने का संदेश दिया। वे कहते थे कि जीवों पर दया करो। हर किसी के प्रति करुणा का भाव रखो। समाज की सेवा के लिए तत्पर रहो। दूसरों के दुख में दुखी होना सीखो और किसी की तरक्की से जलो नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कोई गिर रहा हो तो उसे उठाओ, क्योंकि गिरने वाले को उठाओगे तो तुम कभी नीचे नहीं गिरोगे। जब भी गिरने की स्थिति आएगी साईनाथ आकर तुम्हें संभाल लेंगे। साई के चरणों में मन लगाने वाला, उनका चिंतन करने वाला, उन पर ही सबकुछ छोड़ देने वाला कभी गिरता नहीं क्योंकि बाबा अपने भक्त को सदैव संभाले रखते हैं। इसलिए साई की कृपा पानी है तो उनके चरणों में ध्यान लगाओ और उनके द्वारा दिए गए उपदेशों को आत्मसात करें।

न्यूज ब्रीफ

हज़रत अली की जयंती आज

उन्नाव, अमृत विचार। हज़रत मोहम्मद साहब के दामाद खलीफा पहले इमाम हज़रत अली अलैहिस्सलाम की यौमे पैदाइश तारीख (13 रजब) 3 जनवरी को जिले में धूमधाम से मनाई जायेगी। यह जानकारी देते हुए अंजुमन हैदरिया अब्बासिया के मीडिया प्रभारी मुर्तजा हैदर रिज़वी ने बताया कि इस मौके पर मस्जिदों, इमामबारगाहो, खानकाहों व कर्बला में रोशनी, चिराग़ह सजावट कर मिलादे महफिल मुनाकिद होगी। जिसमें बैरूनी, मकामी, शायर मौला अली की शान में नजराने अकीदत पेश करेंगे। मुस्लिम भाई घरों में मिट्ठे पकवान पकाकर नज़र नियाज़ करेंगे और रंग-बिरंगी लाइटों से चिरागा करेंगे।

मारपीट व एससीएसटी एक्ट में चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रश्मिलोक मोहल्ला निवासी बिंदा रावत ने गंगाघाट पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्त मोनू के घर गया था। तभी उसके घर के सामने रहने वाला मनोज निषाद उससे गालीगलौज करने लगा। विरोध करने पर मनोज ने अपने भाई विनोद, राजपाल व बहनोई मुकेश के साथ मिलकर उससे मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

10 डिग्री पर पहुंचा पारा: बर्फीली हवाओं से ठिठुरे लोग

वाहन चालकों को करना पड़ा भारी दिक्कतों का सामना, सामान्य से काफी कम रही वाहनों की रफ्तार, यातायात पुलिस हुई सक्रिय

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

एक्सप्रेस-वे पर छाया कोहरा।

ठंड से बचाव के लिए अलाव तापते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में शुक्रवार की सुबह कोहरे की चादर और हाड़ कंपा देने वाली ठंड के साथ हुई। तड़के से ही गलन व वातावरण में नमी के चलते आम जनजीवन प्रभावित रहा। कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता (विजिबिलिटी) कम दर्ज की गई। जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कोहरे का सबसे ज्यादा असर जिले की मुख्य सड़कों, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर देखा गया। वाहनों की रफ्तार सामान्य से काफी कम रही। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को दिन में भी फॉग लाइट और हेडलाइट का सहारा लेना पड़ा। गंगा पुल पर भी यातायात बाधित रहा, जिसके चलते यातायात पुलिस ने संवेदनशील मोड़ों पर सतर्कता बढ़ा दी है और वाहन चालकों को लेन अनुशासन का पालन करने की हिदायत दी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में 78 प्रतिशत आर्द्रता और 3 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने वाली पछुआ हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों तक कोहरे और ठंड का यह दौर जारी रह सकता है। कड़ाके की ठंड के चलते लोग सुबह गर्म कपड़ों, स्वेटर और शॉल में लिपटे नजर आए। सार्वजनिक स्थानों और चाय की दुकानों पर अलाव के इर्द-गिर्द भीड़ देखी गई। ठंड का असर धार्मिक स्थलों और पार्कों में भी दिखा, जहां नववर्ष के उत्साह के बावजूद सुबह की सैर करने वालों और श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भी खेतों में काम करने के दौरान गलन से परेशान दिखे। जिला प्रशासन ने मौसम की स्थिति को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने अपील की है कि कोहरे के दौरान वाहन अत्यंत धीमी गति से चलाएं। ठंड से बचाव के लिए समुचित गर्म कपड़ों का उपयोग करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संबंधित विभागों को 'अलर्ट मोड' पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति या सड़क दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान की जा सके।

जयंती पर याद किए गए मौलाना हसरत मोहानी और डॉ. संपूर्णानंद

उन्नाव, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलाना हसरत मोहानी व डॉ. संपूर्णानंद की जयंती उनके चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई। गोष्ठी में वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के कृतित्व को नव निहाल पीढ़ी तक ले जाने का जहां संकल्प किया वही हसरत मोहानी के नाम से बने मार्ग का शिलापट हटाने की निंदा की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मौलाना हजरत मोहानी शायर, पत्रकार व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, अजय गौतम, जंग बहादुर सिंह, शिवम अवस्थी, युसूफ फारुकी, आतिफ हसन किदवई, आशुतोष शर्मा, प्रदीप शर्मा, सुरेश श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश सिंह, युनुस मोहानी सैय्यद सैफ आदि ने संबोधित किया। संचालन संजीव श्रीवास्तव ने किया।

जीरो पावर्टी परिवारों को मिले लाभ

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● **डीएम की अध्यक्षता में हुआ ग्राम पंचायत चौपाल का आयोजन**

अमृत विचार: जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकासखंड पुरवा की ग्राम पंचायत असहेरु में शीतकालीन भ्रमण के अवसर पर ग्राम चौपाल आयोजित हुई। इसमें डीएम ने जीरो पावर्टी के परिवारों से मौके पर जाकर मुलाकात कर जीरो पावर्टी के इंडिकेटर प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, उज्ज्वला, मनरेगा, जॉबकार्ड, श्रमकार्ड, आयुष्मान कार्ड व पेंशन मिल रही है या नहीं जानकारी ली।

डीएम ने जीरो पॉवर्टी के तहत वंचित परिवारों का प्राथमिकता से चयन कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश खंड विकास अधिकारी को दिये। उन्होंने पेंशन योजना के कैंप का अवलोकन कर कन्या सुमंगला व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों के सत्यापन पर जोर दिया। उन्होंने बेसिक शिक्षा के होनहार बच्चों को प्रशस्तिपत्र व पठन सामग्री देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, एसडीएम पुरवा आदि अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

3 माह में ऋण जमा करने पर लिया जाएगा साधारण ब्याज

उन्नाव, अमृत विचार: जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) मनोज कुमार ने बताया है कि उप्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं के अधिदेय ऋणों की वसूली हेतु नवीन एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को 1 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक बढ़ाया गया है। योजनाओं हेतु स्वीकृत ऋण की धनराशि पर निर्धारित ऋण वसूली अवधि (स्वत: रोजगार योजना व स्वछकार योजना में 36 माह व अनुविनि की योजना में 60 माह देय किश्त का ही साधारण ब्याज लिया जायेगा। शेष अवधि का सम्पूर्ण चक्रवृद्धि/दंड ब्याज माफ कर दिया जायेगा। निगम के ऋण बकायेदारों को सूचित किया कि वह बकाया कर्जा जमा कर लाभ पाने हेतु निगम के जनपदीय कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

बिगड़े मौसम से ट्रेनों की चाल अस्त-व्यस्त

शुक्लागंज उन्नाव

स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री। ● अमृत विचार

● **4 से 5 घंटे देरी से पहुंच रहीं ट्रेनें यात्रियों को हो रही दिक्कत**

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड व घने कोहरे के चलते ट्रेनों की चाल भी अस्त-व्यस्त है। रात में आने वाली ट्रेनें दिन में और दिन में आने वाली ट्रेनें शाम तक स्टेशन पहुंच रही हैं। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ रही ट्रेन लेटलतीफी से यात्रियों का सफर मुश्किल हो गया है।

घने कोहरे व प्रचंड ठंड ने ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दी है। शुक्रवार दोपहर छपरा से आनंद विहार जा रही अमृत भारत ट्रेन दोपहर 12 बजकर 12 मिनट पर गंगाघाट रेलवे स्टेशन की अपलाइन पर पहुंची। आगे सिग्नल न मिलने से ट्रेन करीब 34 मिनट स्टेशन पर खड़ी रही। स्टेशन मास्टर के अनुसार आगे एक अन्य ट्रेन के गुजरने के कारण अमृत भारत को रोका गया था। इसके अलावा झांसी पैसेंजर व मेमो भी दोपहर ढाई बजे तक स्टेशन नहीं पहुंच सकी। जिससे यात्रियों को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते कई यात्री मजबूरी में निजी साधनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए, जबकि कुछ यात्रियों ने घंटों इंतजार के बाद सड़क मार्ग से यात्रा करना उचित समझा।

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

उन्नाव, अमृत विचार: अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा बांग्लादेश में हिन्दुओं की हो रही हत्या के विरोध में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया। इसमें प्रधानमंत्री से मांग की गई कि बांग्लादेश के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएं। महासभा के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में निराला प्रेक्षागृह से प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित व राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ कथित रूप से हो रहे अत्याचारों का विरोध जताया।

ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से आग्रह किया गया कि जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर चलाया गया उसी प्रकार बांग्लादेश के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष पीके सिंह ने चेतावनी दी कि यदि हिन्दुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों को नहीं रोका गया तो अखिल भारत हिन्दू महासभा के करोड़ों कार्यकर्ता बांग्लादेश कूच करेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सहित प्रदेश मंत्री ठाकुर राम सिंह, प्रदेश मंत्री महिला प्रकोष्ठ किशोरी त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ प्रीति सिंह, जिलाध्यक्ष किन्नर प्रकोष्ठ वैशाली, जिला संयोजक सुरेंद्र पाटेकर आदि मौजूद रहे।

जिला समिति द्वारा बनाए गए परीक्षा केंद्रों में लगी मोहर

उन्नाव, अमृत विचार: बोर्ड द्वारा बनाए गए केंद्रों को संशोधित करते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता की समिति द्वारा एसबीएम इंटर कॉलेज पूरन नगर, जय किसान इंटर कॉलेज चमियानी, जीजीआईसी पड़री खुर्द, एससीडी इंटर कॉलेज तनगापुर, आरएसयलएस इंटर कॉलेज छोटाखेड़ा, एसबीएम इंटर कॉलेज एबी नगर, एमडीएसएम इंटर कॉलेज गंगाघाट, पतिराजा महिपाल इंटर कॉलेज घाटमपुर खुर्द, सेनानी राम बालक दीक्षित हायर सेकेंडरी स्कूल भदेवना, एसएसजेबी हाईस्कूल कमलापुर बांगरमऊ, ऋषिकुल विद्यापीठ इंटर कॉलेज पुरवा, जयदेवी सुंदरलाल इंटर कॉलेज गुरुदीन खेड़ा जाजामऊ को केंद्र बनाया गया है। जिस पर बोर्ड ने मोहर लगा दी है।

कॉलेज संस्थापक की जयंती पर छात्र पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

मेधावी छात्रों को सम्मानित करते शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल।

अमृत विचार: आज व्यक्ति सीमित होता जा रहा है। पूर्वज जो किये हैं उनकी स्मृतियां बची रहती हैं। आज हम सबको जो कुछ मिला है वह सब पुरानी पीढ़ी की ही देन है। ऐसे कार्यक्रम समाज को दिशा देने का काम करते हैं। यह बातें शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने भगवंतनगर कस्बा स्थित श्याम राजकुमारी जगन्नाथ सिंह सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज के संस्थापक रणजीत सिंह की 102वीं जयंती कार्यक्रम में कहीं।

मुख्य वक्ता फाउंडेशन अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह व शिक्षक रमेश सिंह ने कहा कि विद्यालय के संस्थापक रंजीत सिंह आदर्श शिक्षक होने के साथ परोपकारी भी थे। जिन्होंने अपने मित्र शिक्षक साथी राम श्रृंगार सिंह को वेतन न मिलने पर उनकी आर्थिक मदद अपनी पूरे सेवाकाल में की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती व रंजीत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की। इसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। विद्यालय परिवार द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतीकचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं संस्था द्वारा निराश्रितों को कंबल बांटे गए। अध्यक्षता ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने व संचालन प्रधानाचार्य योगेन्द्र कुमार ने किया।

शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार: पहचान छुपाकर युवती से संबंध बनाने व भेद खुलने पर शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। हालांकि युवक को पूर्व में पुलिस ने जेल भेजा था। लेकिन युवती ने एक वीडियो वायरल कर युवक के जमानत पर बाहर आने के बाद धमकी व सुलह के दबाव बनाने का आरोप लगाया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें वह अपने को बिहार प्रांत की निवासी बता रही है। उसके मुताबिक इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी सुनील नाम के युवक से दोस्ती हुई। वह अपने को हिंदू बता बात करता रहा। बाद में वह शादी करने के लिए भी राजी हो गया। इस पर घरवालों को बिना बताए जनवरी 2025 में वह उसके पास आ गई। युवक उन्नाव में ही एक दवा कंपनी में काम करता था। उसने उसे तालिब सराय मोहल्ले में किराए के घर में रखा। बाद में पता चला कि उसका नाम सैय्यद अब्दुल मन्नान है और वह फतेहपुर जिले के कोतवाली खागा के गांव हैबतपुर का निवासी है। युवती के मुताबिक उसने निकाह पढ़ने के लिए दबाव बनाया न पढ़ने पर मारपीट करता था। 30 फरवरी 2025 को बहुत मारा तो पुलिस को सूचना दी। रिपोर्ट दर्ज हुई और वह जेल गया। अब वह जमानत पर बाहर है। पीड़िता के मुताबिक 27 अक्टूबर-2025 को युवक ने रास्ते में उसका बैग छीन लिया और मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि मामला जानकारी में है। आरोपी बाहर है और कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। युवती को बुलाया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनी हसरत मोहानी की जयंती

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

बैठक को संबोधित करते मुख्य अतिथि फारूक अहमद। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, प्रखर पत्रकार व प्रसिद्ध शायर मौलाना हसरत मोहानी की 150वीं जयंती हसरत मोहानी पुस्तकालय धवन रोड उन्नाव में उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर देश की आजादी में उनके योगदान को याद किया गया।

मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता व यश भारती सम्मान से सम्मानित प्रमुख समाजसेवी फारूक अहमद ने कहा कि हसरत मोहानी वही शख्सियत थे जिन्होंने पहली बार 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया था। जो आगे चलकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बड़ा मंत्र बना। स्थानीय शायरों ने उनकी प्रसिद्ध गजल "चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है..." को गुनगुनाकर उन्हें खिराज-ए-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। कार्यक्रम में उन्हें भारत रत्न दिए जाने की भी मांग उठाई। इस मौके पर अरविंद श्रीवास्तव, मुकेश यादव, प्रवीन मिश्रा भानू, समाज सेविका गौसिया खान, डॉ. राम नरेश, दिनेश प्रियमन, हारुन अहमद, मो. अहमद, फजलुर्रहमान, रहमतुल्ला खान एडवोकेट, अजमल एडवोकेट, सैय्यद सगीरुल हसन मुन्ना भाई, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बोर्ड ने अंतिम सूची प्रकाशित की, 122 परीक्षा केंद्र बनाए

उन्नाव, अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटर परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 122 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। जनपदीय समिति द्वारा एक दर्जन विद्यालयों को संशोधित किया गया था। इस पर 22 दिसंबर को सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आपत्तियां मांगी थीं। उनका निवारण करते हुए अब बोर्ड सचिव द्वारा 122 परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी है।

डीआईओएस सुनील दत्त ने कहा कि अंतिम सूची का प्रकाशन बोर्ड की वेबसाइट पर कर दिया गया है। राजकीय विद्यालयों के परीक्षा केंद्रों में 10 की जगह 11 व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में संख्या 50 की जगह 48 रह गई। बोर्ड द्वारा बनाए गए दो केंद्र हटा दिये गये। जबकि असहायता प्राप्त (वित्तविहीन) माध्यमिक विद्यालयों के बोर्ड द्वारा बनाए 62 विद्यालयों की जगह 63 कर दिए गए। 10 केंद्र नए बना दिए गए हैं।

बता दें कि जिले में 414 माध्यमिक विद्यालयों में 122 विद्यालय को केंद्र बनाया गया है। जिसमें हाईस्कूल के 39163 व इंटर के 31245 परीक्षार्थी समेत कुल 70408 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में बैठेंगे।

जटिल सर्जरी कर बचाई महिला की जान

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

ओटी में मौजूद सीएमएस व डॉक्टरों की टीम।

● **महिला अस्पताल के चिकित्सकों ने सीएमएस की देखरेख में रचा इतिहास**

अमृत विचार: यूट्रस के गंभीर रोग से ग्रसित महिला की जटिल सर्जरी कर महिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसकी जान बचाई। महिला सीएमएस की देखरेख में हुई सर्जरी के बाद महिला अब पूर्ण स्वस्थ है।

बता दें कि बाराबंकी के बाराहुवान गांव निवासी तिलकराम की 43 वर्षीय पत्नी सविता रक्तस्राव की बीमारी से बीते तीन साल से ग्रसित थी। कई जगह इलाज कराने के बाद सविता अपने मायके उन्नाव आई। जहां उसने जिला महिला चिकित्सालय में डॉक्टर से अपने रोग के संबंध में सलाह ली। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। जिसकी रिपोर्ट में यूट्रस बढ़े होने के साथ संक्रमण का पता चला। चिकित्सकों के अनुसार यदि इसकी समय से सर्जरी न हो तो मरीज को कैंसर होने का खतरा है। डॉ. निधि अग्रवाल ने मरीज व उसके परिजनों को सर्जरी की सलाह दी। लेकिन भय वस परिजन राजी नहीं हुए। डॉक्टरों की टीम करीब 1 साल तक काउंसिलिंग कर उसे समझाती रही। इसके बाद सविता व उसके परिजन सर्जरी के लिए तैयार हुए। इस पर सर्जरी से पूर्व जरूरी जांचें कराकर सीएमएस डॉ. फौजिया अंजुम नोमानी व डॉ. निधि दुबे ने एनेस्थीसिया के डॉ. पवन अग्रवाल व ओटी टीम के साथ महिला की जटिल सर्जरी कर उसका सफल इलाज किया। सीएमएस के मुताबिक अब महिला खतरे से बाहर है।

तैयारी — श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए पश्चिमी घाटों से गंगा में छोड़ा गया पानी

माघ मेले को लेकर छोड़े गए पानी से गंगा का जलस्तर बढ़ा

शुक्लागंज उन्नाव

गंगा का जलस्तर बढ़ने से बहकर जाती जलकुंभियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रयागराज में आयोजित माघ मेले व पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर गंगा में जलस्तर बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को पश्चिमी घाटों से गंगा में पानी छोड़ा गया। इसका सीधा असर शुक्लागंज क्षेत्र में भी देखने को मिला। जलस्तर बढ़ने से गंगा में भारी मात्रा में जलकुंभी बहकर आ गई है। जिससे नदी का प्रवाह प्रभावित नजर आ रहा है।

पौष पूर्णिमा पर माघ मेले का पहला प्रमुख स्नान होने से बैराज बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। इसका उद्देश्य गंगा के प्रदूषित जल को बहाकर आगे निकालना व स्नानार्थियों को साफ व निर्मल जल उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने से गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 108.600 मीटर दर्ज किया गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह आठ बजे जलस्तर बढ़कर 108.630 मीटर पहुंच गया, जबकि दोपहर एक बजे यह 108.680 मीटर मापा गया। जलस्तर में हुई इस वृद्धि के चलते नदी में जलकुंभी की मात्रा काफी बढ़ गई है, जो बहकर शुक्लागंज तक पहुंच रही है। वहीं जलस्तर बढ़ने से रेलवे पुल से लेकर पुराने यातायात पुल के बीच गंगा के किनारे कटान की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। स्थानीय लोगों में कटान को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर पालिका ने घाटों की कराई साफ-सफाई

पौष पूर्णिमा को लेकर हुई घाटों की सफाई।

शुक्लागंज, उन्नाव: पौष पूर्णिमा स्नान को लेकर नगर पालिका ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुक्रवार को पालिका द्वारा नगर के सभी गंगाघाटों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई। स्नान पर्व को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। पौष पूर्णिमा के मद्देनजर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश मिश्रा व स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला ने नगर के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। इसके बाद पुराने यातायात पुल से लेकर बालूघाट तक अतिरिक्त सफाई कर्मी लगाकर घाटों की विशेष सफाई कराई गई। गंगाघाटों से कूड़ा-कचरा हटाकर स्वच्छता सुनिश्चित की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी प्रमुख घाटों पर चेंजिंग रूम, पीने के पानी के टैंकर व मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पौष पूर्णिमा के दिन सभी घाटों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। कड़ाके की सर्दी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका की ओर से घाटों पर अलाव की भी व्यवस्था कराई गई है, ताकि स्नान के बाद श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके।

54 शिक्षकों ने मानव संपदा पोर्टल पर ग्रहण किया कार्यभार

उन्नाव, अमृत विचार: जिले में संचालित एकल शिक्षकों वाले विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों वाले विद्यालयों से कनिष्ठ शिक्षकों को समायोजित (स्थानांतरित कर) कर जिले में 54 शिक्षकों को खंड शिक्षाधिकारियों ने 31 दिसंबर को ही मानव संपदा पोर्टल पर कार्य भार ग्रहण करा दिया। उच्च अधिकारियों के आदेश के चलते 31 दिसंबर 2025 तक एकल विद्यालयों को भरे जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए नजदीक के विद्यालयों के सरप्लस शिक्षकों को समायोजन के लिए बीएसए ने रविवार को सभी खंड शिक्षाधिकारियों की बैठक बुलाकर नजदीक के विद्यालयों मैं समायोजित करने के निर्देश दिए थे। कहा था कि जो एकल विद्यालय हैं वहां उसके पड़ोस के ऐसे विद्यालय के शिक्षकों को स्थानांतरित किया जाए जहां शिक्षक अधिक हैं। सबसे पहले ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत व ब्लॉक स्तर पर उन्हें समायोजित किया जाए। बीएसए शैलेश पांडे ने बताया कि जिले में 27 प्राइमरी व 14 उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा 13 कंपोजिट विद्यालयों से सरप्लस शिक्षकों को एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में समायोजित किया गया है। वहां के कनिष्ठ अध्यापक को स्थानांतरित किया गया है और खंड शिक्षाधिकारियों को स्थानांतरण आदेश देते हुए संबंधित शिक्षकों को मानव संपदा पोर्टल पर 31 दिसंबर को ही कार्यभार ग्रहण करा दिया गया है। बता दें कि बेसिक विद्यालयों में शीतकालीन अवकाश 14 जनवरी तक है इसके चलते जब 15 जनवरीको विद्यालय खुलेंगे तो नए स्कूलों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

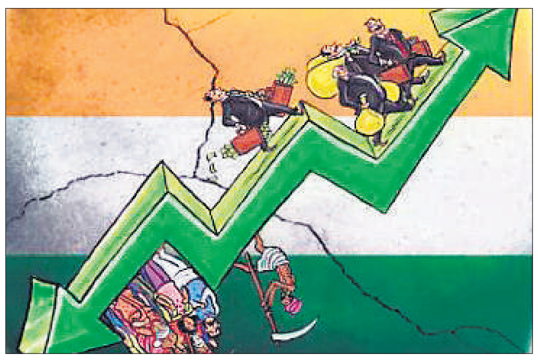

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

आमने सामने

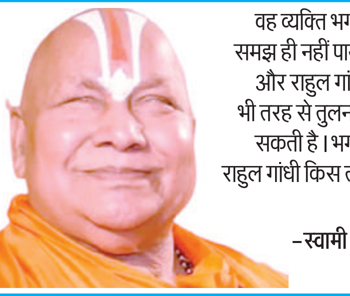

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।

–स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

–नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं।

कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानूभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बड़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्बाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन और वैशाली

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार, 3 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कपड़ा क्षेत्र: पीएलआई योजना के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। वस्त्र मंत्रालय ने बताया कि अगस्त 2025 में आवेदन पोर्टल दोबारा खुलने के बाद मिली प्रतिक्रिया के बाद आवेदन समय में विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्र सहित प्राथमिकता वाले वस्त्र क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आवेदन किए गए हैं। अक्टूबर में सरकार ने वस्त्र क्षेत्र की पीएलआई योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी, जिसे अब इस वर्ष मार्च तक और बढ़ा दिया गया है।

लखनऊ में 200 कमरों वाला होटल बनाएगा मिगसन ग्रुप

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मिगसन ग्रुप ने लखनऊ स्थित अपने मिश्रित उपयोग वाली परियोजना मिगसन जनपथ में 200 कमरों वाले होटल के निर्माण और संचालन के लिए आतिथ्य ब्रांड क्लबहाउस के साथ समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक यह समझौता 28 वर्ष की राजस्व आधारित पट्टा व्यवस्था पर आधारित है। यह होटल मिगसन जनपथ परियोजना के समग्र विकास का हिस्सा होगा, जिसमें पहले से खुदरा दुकानें, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और जीवनशैली संबंधी सुविधाएं शामिल हैं।

रियल एस्टेट में पीई निवेश 2025 में 59% बढ़कर 6.7 अरब डॉलर

कोलकाता। भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश वर्ष 2025 में सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़कर 6.7 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संपत्ति सलाहकार फर्म सेविल्स इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल पीई निवेश का 76 प्रतिशत विदेशी संस्थागत पूंजी से आया जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस वृद्धि में विदेशी निवेशकों की प्रमुख भूमिका रही।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

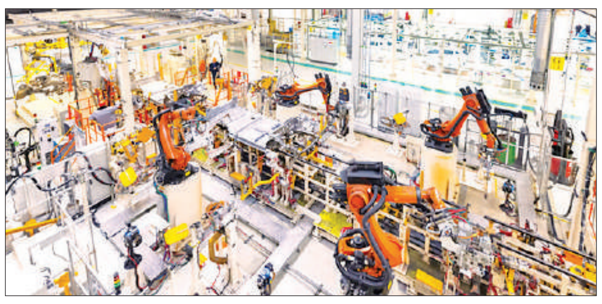

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

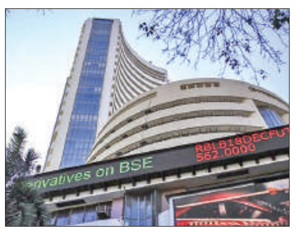

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे। एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं।

जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

दिल्ली: आवारा कुत्तों के मुद्दे पर आप पर अफवाहें फैलाने के आरोप में रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की शिक्षा निदेशालय की शिकायत के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बल्लारी में झड़प के बाद भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला, समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा, ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। राहुल ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं कफ सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

हिमाचल: सीनियर छात्राओं ने की रैगिंग, प्रोफेसर ने यौन उत्पीड़न

- मारपीट से घायल छात्रा की अस्पताल में मौत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ी। वह गहरे सदमे में थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था इसलिए पहले पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 3(5) (सामान्य इरादा) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम 2009 की धारा तीन के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी ने लंबे समय से जारी शुष्क मौसम को तो खत्म किया लेकिन इसके साथ ही अफगानिस्तान के कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ सईदी के अनुसार मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि उस क्षेत्र का इस्तेमाल मादक पदार्थ गिरोह, तस्करी के लिए करते है।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई, जिसमें कथित रूप से 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। गांव के पास पलट गया। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है जिनमें से 39 को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

लीबिया में ड्रोन हमले में दो लोगों की गई जान

त्रिपोली। लीबिया की राजधानी त्रिपोली से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित अजयलात शहर में एक गश्ती दल को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी लीबिया के आंतरिक मंत्रालय के सुरक्षा निदेशालय सहायता बल ने गुरुवार को दी। पुलिस ने कहा कि यह हमला गुरुवार तड़के हुआ, जब गश्ती दल अवैध प्रवास की तैयारी कर रही एक नाव की जानकारी पर कार्रवाई कर रहा था।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- **खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी**

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई , हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई .कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं तो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6 .5–8 .5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।
- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- **लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा**

दुबई, एजेंसी

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14 .2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

- **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला**
- **अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई**

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे**

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

- **श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप**

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

- **मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया**

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15 .32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

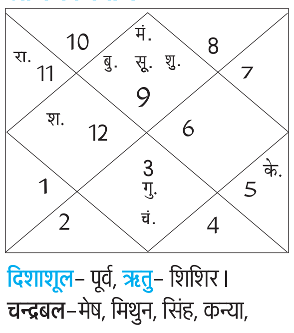

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 17 .27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष – आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष – आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन – आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क – आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच-विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या – आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला – आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक – आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु – आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर – आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ – आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन – आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन-देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू -21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 3 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के

खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है।

पुरुषों की एचआईएल लीग आज से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

भारतीय फुटबॉलरों ने फीफा से अपील की

नई दिल्ली। सुनील छेत्री सहित भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों ने शुक्रवार को मिलकर विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा से आईएसएल के निलंबन पर हस्तक्षेप की अपील की। अभी तक आईएसएल का 2025-26 सत्र शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में सीनियर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू और संदेश झिंगन ने लंबे समय से बनी अनिश्चितता पर चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि भारतीय फुटबॉल स्थायी ठहराव की स्थिति में पहुंच रहा है।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

बीसीबी का दावा

01, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

09, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच

28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

मोदी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। वाराणसी के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चार जनवरी (रविवार) से 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप आयोजित की जाएगी। यह पहला मौका है, जब धार्मिक नगरी राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। इस आठ दिवसीय चैम्पियनशिप में महिला व पुरुष वर्ग की कुल 73 टीमों के 1250 से अधिक खिलाड़ी, कोच और तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

यूपी की पुरुष वॉलीबॉल टीम।

यूपी की पुरुष टीम : सूर्यांश तोमर (यूपी पुलिस), पुनीत (एसएसबी), कुश सिंह (यूपी पुलिस), आदित्य राणा (सहारनपुर), रूपेश (गाजीपुर), अभिषेक मिश्र (वाराणसी), मो. सईद (आजमगढ़), श्रेयांश सिंह (यूपी पुलिस), अमन हल्दर (पीलीभीत), रजनीश सिंह (आजमगढ़), नैय्यब चौधरी (मुजफ्फरनगर), अब्दुल समीर खान (पीलीभीत), पृथ्वीराज सिंह (रायबरेली) व शक्ति सिंह (गोरखपुर)।

यूपी महिला टीम : अग्रिमा त्रिपाठी (यूपी पुलिस), आर्या दास ई. व ज्योति (दोनों एसएसबी), खुशबू गुप्ता (यूपी पुलिस), काजल देवी (एसएसबीस), प्रियंका व ईशा (दोनों यूपी पुलिस), सीएच रजिता (एसएसबी), श्रेया त्रिपाठी (प्रयागराज), मैनावती व तनीषा फोगाट (दोनों यूपी पुलिस), नीतू (एसएसबी), जान्ह्वी सिंह (सुल्तानपुर) व शैली (यूपी पुलिस)।

रांची रॉयल्स ने सूरमा को हराया

रांची। रुतुजा दादासो पिसल और साक्षी राणा के गोल की बदौलत रांची रॉयल्स ने शुक्रवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) मैच में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 2-0 से हरा दिया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों की रक्षापंक्ति ने मजबूत खेल का प्रदर्शन किया। पहले हॉफ के कुछ ही सेकंड पहले एगोस्टिना अलोंसो ने मिडफील्ड से सर्कल में एक जोरदार पास दिया और रुतुजा (30वें मिनट) ने नेट में डालकर गोल कर दिया। रांची की टीम नें 54वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर ली।

बॉल के लिए संघर्ष करतीं सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी

पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जुड़े रहे भारतीय टीम से

10 शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में

1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।